अशोका एक्सप्रेस

SMA - Ashoka Express Publication

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 29 ● अंक : 12 ● नई दिल्ली ● 01 से 08 अप्रैल 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

नालंदा के मंदिर में भगदड़, 9 की मौत

निर्वाचन आयोग के कार्यालय के सामने टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, कई वाहन हुए क्षतिग्रस्त

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर मंगलवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। यहां तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थित बूथ-स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के बीच मतदाता सूची में कथित हेरफेरी को लेकर झड़प हुई। पुलिस को स्थिति को काबू में लाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दोपहर में विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई और उन पर अशांति भड़काने का आरोप लगाया। उनके जाने के थोड़ी देर बाद फॉर्म 6 के कथित दुरुपयोग को लेकर विरोध प्रदर्शन भड़क गया। फॉर्म 6 का इस्तेमाल कथित तौर पर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे एनडीए शासित राज्यों के मतदाताओं को पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में जोड़ने के लिए किया जा रहा था। भीड़ को काबू में करने के लिए पुलिस ने दखल दिया, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। इस बीच, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि फॉर्म 6 के जरिये बाहरी राज्यों के मतदाताओं को बड़े पैमाने पर बंगाल की मतदाता सूची में शामिल करने की कोशिश कर रही है। सोमवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया था कि भाजपा ने एक ही दिन में करीब 30 हजार फॉर्म 6 जमा किए थे, जिससे अन्य राज्यों के निवासियों को पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में दर्ज किया जा सके। मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि विरोध के दौरान भाजपा समर्थकों ने उन पर हमला किया। पुलिस ने कहा कि कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। इसके बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी के नए कार्यालय के बाहर अतिरिक्त बल तैनात किए गए, ताकि इसे काबू किया जा सके। पुलिस ने कहा कि अधिकारी आगे हिंसा रोकने के लिए स्थिति पर नजर रख रही है।

केरल में कांग्रेस का चुनाव प्रचार- राहुल गांधी बोले- सीपीएम अब वामपंथी नहीं

कन्नूर। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, यह चुनाव दो विचारधाराओं के बीच की लड़ाई है। राहुल गांधी केरल के कन्नूर में रैली संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह लड़ाई वाम मोर्चा (सीपीएम) की विचारधारा, यूडीएफ की विचारधारा और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की बीच है। पहली बार हम देख रहे हैं कि भाजपा और वाम मोर्चा के बीच गठबंधन हो रहा है। सामान्य तौर पर, किसी वामपंथी दल का किसी अति दक्षिणपंथी दल के साथ गठबंधन करना काफी आश्चर्यजनक होता। इसके साथ ही उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए भाजपा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, जब हिंदू धर्म के तथाकथित रक्षक (प्रधानमंत्री) केरल आते हैं, तो सबरीमाला के बारे में कुछ नहीं कहते।उन्होंने कहा भाजपा मुख्यमंत्री (पिनारयी विजयन) का समर्थन कैसे कर रही है? पहली बात तो यह है कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों, धर्म और देवी-देवताओं की बात करते हैं। लेकिन जब वे केरल आते हैं, तो सबरीमाला मंदिर द्वहका मुद्दा नहीं उठाते। सीपीएम नेताओं ने सबरीमाला मंदिर से सोना चुराया, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि केरल विधानसभा चुनाव में एलडीएफ की जीत हो। केरल में राहुल गांधी ने कहा कि सीपीआई (एम) अब वामपंथी पार्टी नहीं बल्कि अति दक्षिणपंथी पार्टी है।

अदाणी का नाम लेकर साधा निशाना

आगे उन्होंने कहा, अदाणी भाजपा की वित्तीय संरचना का आधार है। इसीलिए अमेरिका में अदाणी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है, लेकिन यह मामला अदाणी को निशाना नहीं बना रहा है। यह मामला मोदी और भाजपा को निशाना बना रहा है।

केरलम में बीजेपी का घोषणापत्र जारी, नितिन नबीन ने किया एम्स का वादा

कोलकाता।

केरलम विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने मंगलवार को अपना मेनिफेस्टो जारी कर दिया है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन ने केरल में एम्स बनाने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया है। घोषणापत्र में जरूरतमंद महिलाओं को 'भक्ष्य आरोग्य सुरक्षा कार्ड' देने का वादा किया गया है, जिसके तहत हर महीने 2500 दवाइयों और राशन के लिए दिए जाएंगे। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों, विधवाओं और जरूरतमंद महिलाओं को 3000 मासिक पेंशन देने की घोषणा की गई है। भाजपा ने इससे पहले असम के लिए भी मेनिफेस्टो (संकल्प पत्र) जारी किया। इसमें लव जिहाद पर एक्शन, घुसपैठियों से कब्जाई जमीन वापस लेने, राय में यूसीसी लागू करने, युवाओं को 5 साल में 2 लाख नौकरियां देने का वादा किया है। पत्र में कुल 31 वादे किए गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मेनिफेस्टो जारी होने पर कहा- आज हम यहां 'विकसित केरलम' का घोषणापत्र प्रस्तुत करने के लिए जमा हुए हैं। DF और LDF ने कभी भी केरलम के लोगों की प्रगति में रुचि नहीं दिखाई है। भाजपा ने केरल में गरीब परिवारों को हर साल दो मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है, जो ओणम और क्रिसमस के मौके पर मिलेंगे। साथ ही हर घर को हर महीने 20 हजार लीटर मुफ्त पानी देने की बात कही गई है। इसके अलावा सबरीमाला और गुरुवायूर जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए देवस्वम बोर्ड में सुधार करने की बात कही गई है। पार्टी ने अपने घोषणापत्र में तमिलनाडु को पानी और केरल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी वादा किया है।

ईरान की खुली चेतावनी- कल से अमेरिकी कंपनियों पर करेंगे हमले; माइक्रोसॉफ्ट, एपल और टेस्ला समेत ये भी निशाने पर

तेहरान। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका को लेकर खुली चेतावनी दी है। ईरान की सैन्य इकाई इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि अगर ईरानी नेताओं पर हमले जारी रहे, तो वह पश्चिम एशिया में अमेरिकी कंपनियों को निशाना बनाएगा। इस बयान से क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक स्तर पर चिंता गहरा गई है। ईरान ने साफ कहा है कि 1 अप्रैल से तेहरान समय के अनुसार रात 8 बजे के बाद अमेरिकी कंपनियों के ठिकानों पर हमले शुरू किए जा सकते हैं। भारत के समय के अनुसार यह रात 10:30 बजे होगा। ईरान ने कहा है कि हर हमले के बदले इन कंपनियों की यूनिट्स को तबाह किया जाएगा। इसके साथ ही कर्मचारियों को तुरंत अपने कार्यस्थलों से हटने की चेतावनी भी दी गई है।

क्या अमेरिकी कंपनियां सीधे निशाने पर हैं?

ईरान ने 15 बड़ी अमेरिकी कंपनियों की सूची जारी की है। इसमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एपल, इंटेल, आईबीएम, टेस्ला और बोइंग जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा डेल, एचपी, सिस्को, ओरेकल और जेपी मॉर्गन जैसी कंपनियों के नाम भी सामने आए हैं। इससे साफ है कि ईरान अब सिर्फ सैन्य ठिकानों तक सीमित नहीं रहना चाहता।

कौन-कौन सी कंपनियां आईआरजीसी के निशाने पर हैं

- माइक्रोसॉफ्ट
- गूगल
- एपल
- इंटेल
- आईबीएम (इंटरनेशनल बिजनेस मशीन)
- टेस्ला
- बोइंग
- डेल टेक्नोलॉजीज
- हेवलेट पैकार्ड (एचपी)
- सिस्को
- ओरेकल
- मेटा प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम)
- जेपी मॉर्गन चेस
- जनरल इलेक्ट्रिक
- हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइज

क्या यह सिर्फ चेतावनी है या बड़ा खतरा?

आईआरजीसी ने पहले भी ऐसी चेतावनियां दी हैं, लेकिन इस बार समय सीमा तय करने से खतरा ज्यादा गंभीर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह धमकी सच में लागू होती है, तो इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता और बढ़ सकती है। ईरान ने अपने बयान में कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनियां युद्ध में अहम भूमिका निभा रही हैं। उनका आरोप है कि ये कंपनियां अमेरिका को ऑपरेशन की योजना बनाने और हमले करने में मदद करती हैं। इसी वजह से इन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है।

क्या कर्मचारियों के लिए खतरा बढ़ गया है?

ईरान ने कंपनियों के कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वे तुरंत अपने दफ्तर छोड़ दें। इससे साफ है कि खतरा सिर्फ कंपनियों के ढांचों तक सीमित नहीं है, बल्कि वहां काम करने वाले लोगों की सुरक्षा भी सवालों में है।

क्या इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा?

अगर इन कंपनियों पर हमला होता है, तो इसका असर सिर्फ मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा। ये सभी कंपनियां वैश्विक स्तर पर काम करती हैं। ऐसे में आईटी, टेक्नोलॉजी और व्यापार पर बड़ा असर पड़ सकता है। इससे बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है और निवेशकों की चिंता भी बढ़ेगी। इस धमकी के बाद अमेरिका और उसके सहयोगियों की प्रतिक्रिया अहम होगी। अगर जवाबी कार्रवाई होती है, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। साफ है कि मध्य पूर्व में तनाव अब नए स्तर पर पहुंच चुका है और आने वाले दिन बेहद संवेदनशील हो सकते हैं।

क्या जख्म पर मरहम लगाएंगे बालेन?

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन शाह की बहन सुजाता शाह सेजेकन भारत के बेंगलुरु शहर में रहती हैं। चुनाव में बालेन की प्रचंड जीत के ठीक बाद उन्होंने एक अंतर्राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा था कि भारत और नेपाल के रिश्ते सदियों पुराने हैं और इन्हें कोई बिगाड़ नहीं सकता, जो हुआ वह एक अस्थायी दौर था, अब स्थिति सकारात्मक ही होगी, साथ में उन्होंने यह विश्वास भी जताया था कि भारत और नेपाल के रिश्ते तभी बेहतर होंगे जब बालेन शाह प्रधानमंत्री बनेंगे। सुजाता की तमन्ना पूरी हो गई है। केवल 35 साल की उम्र के रैपर गायक बालेन शाह ने प्रधानमंत्री का पद संभाल लिया है, तो क्या अब यह उम्मीद की जाए कि पिछले डेढ़ दशक में भारत और नेपाल के रिश्तों में प्रचंड तूफान के कारण जो गहरे जख्म उभर आए थे, उस पर बालेन मरहम लगाने की कोशिश करेंगे? क्या इस तरह की कोशिश में वे कामयाब हो पाएंगे? क्या वे दिली तौर पर चाहते हैं कि भारत-नेपाल के रिश्ते वैसे ही हो जाएं जैसे कम्युनिस्ट पार्टी के उदय के पहले थे? वे चीन के साथ कैसा संबंध रखना चाहेंगे? दुनिया की महाशक्तियों के लिए नेपाल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर पर बड़ा महत्वपूर्ण देश है, इसलिए ऐसे बहुत सारे सवाल इस समय नेपाल से लेकर पड़ोसी देशों तक पूछे जा रहे हैं, मगर नेपाल के लोगों ने उन पर गजब का भरोसा किया है। 2008 के बाद वहां गठबंधन सरकारें चलती रहीं लेकिन अब बालेन की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को भारी बहुमत से जनता ने तख्त पर बिठाया है। यानी बालेन के पास शक्ति है। वे नेपाल की किस्मत बदलने की ताकत रखते हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद अपने मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में उन्होंने तेवर दिखा भी दिए हैं, जिस जेन जी आंदोलन से वे प्रधानमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे हैं, उस आंदोलन में सरकारी गोलियों से बहुत से नव युवा मारे गए थे। जांच के लिए गौरी बहादुर कार्की की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया था। उस आयोग ने सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी। बालेन ने उस रिपोर्ट की अनुशंसाओं पर कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को गिरफ्तार कर लिया गया। ओली वो नेता हैं जो प्रधानमंत्री रहते हुए और न रहते हुए भी चीन की गोद में खेलते रहे हैं। कहते हैं कि हाओ यांकी नाम की बला की खूबसूरत चीनी राजदूत ने ओली को अपनी मीठी गिरफ्त में ले रखा था। रमेश लेखक भी चीनी एजेंडे को ही लागू करते थे। यानी लेखक और ओली की गिरफ्तारी चीन के लिए अत्यंत कठोर संदेश है कि वामपंथ के नाम पर वह नेपाल को अपना उपनिवेश बनाने की कोशिश न करे।

चीन ने अभी तक खुले रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन उसकी नजर गिरफ्तारियों पर जरूर होगी, वैसे बालेन चीन को पहले भी झटका दे चुके हैं, जब केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री थे तब उन्होंने झापा संसदीय क्षेत्र में नेपाल-चीन फ्रेंडशिप इंडस्ट्रियल पार्क के निर्माण के लिए शिलान्यास किया था, मगर बालेन ने चुनाव के पहले जारी अपने घोषणा पत्र से नेपाल-चीन फ्रेंडशिप इंडस्ट्रियल पार्क को हटा दिया था। यह पार्क चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव योजना का हिस्सा है। यानी बालेन संकेत दे रहे हैं कि वे चीन की गोद में नहीं बैठने वाले हैं। तो क्या यह भारत के लिए शुभ संकेत है? काफी हद तक यह माना जा सकता है लेकिन भारत को यह उम्मीद कतई नहीं करनी चाहिए कि वे चीन से दूर रहेंगे तो भारत की गोद में बैठ जाएंगे। उनके रवैये को लेकर दो उदाहरणों पर गौर करिए, जब वे काठमांडू के मेयर थे तब उन्होंने फिल्म आदिपुरुष पर पाबंदी लगा दी थी क्योंकि उस फिल्म में सीता को भारत का बताया गया था जबकि सीता की जन्मस्थली जनकपुर, नेपाल में है। इसके अलावा केपी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री रहते हुए जब एक ऐसा नक्शा जारी किया जिसमें भारत के उत्तराखंड राज्य के कुछ हिस्सों को नेपाल का दिखाया गया था तो बालेन ने न केवल समर्थन किया बल्कि नक्शा उन्होंने काठमांडू के मेयर कार्यालय में टांग लिया था, इसलिए हमें यह मान कर चलना चाहिए कि बालेन शाह वही करेंगे जो उनके नेपाली राष्ट्रवाद को और पुख्ता करेगा। वे ऐसा कोई काम नहीं करेंगे जो नेपाल के नव युवाओं को अखर जाए लेकिन यह भी ध्यान जरूर रखेंगे कि नेपाल के हित क्या हैं। नेपाल लैंड लॉक्ड है और भारत के साथ 1250 किलोमीटर लंबी सीमा है। चीन के साथ सीमा 1414 कि.मी. है लेकिन चीनी सीमा ऊंचे पहाड़ों और बर्फीली चोटियों वाली है। यानी भारत के साथ उसका व्यापार जितना सुगम हो सकता है, चीन के साथ नहीं हो सकता है। दूसरी बात है कि भारत के साथ नेपाल के सांस्कृतिक संबंध हैं। बालेन हालांकि इस बात को कभी स्पष्ट रूप से कहते नहीं हैं मगर वे मधेसी हैं। मधेसी भारतीय मूल के लोगों को कहा जाता है। इसके ठीक विपरीत चीन के साथ नेपाल का कोई सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध नहीं है, इसलिए मुझे लगता है कि बालेन निश्चय ही उम्मीद भरी निगाहों से भारत की ओर देखेंगे। इस उम्मीद को सम्मानपूर्ण सहयोग के रूप में यदि भारत सरकार पूर्ण कर पाए तो न केवल जख्म मिटेंगे बल्कि ताजी हवा के झोंके के साथ भारत-नेपाल के रिश्तों में मिठास की नई बयार भी उभरेगी। दोनों देशों के लिए ये संबंधों के सृजन का नया अवसर है।

सम्पादकीय

कूटनीति विफलता

देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाने वाले और मोदी की विदेश नीति को विफल बताने वाले विपक्षी नेताओं को यह देखना चाहिए कि जब भारत के सामने ऊर्जा संकट मंडराया तो दुनिया के वही देश मदद के लिए खड़े हो गए जिनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्षों तक भरोसे का रिश्ता बनाया था। खासकर अफ्रीकी देशों से बढ़ते आयात ने यह साबित कर दिया है कि भारत ने समय रहते अपने ऊर्जा स्रोतों को विविध बनाया था। आज वही रिश्ते और रणनीतिक फैसले भारत की ढाल बनकर खड़े हैं और यही असली कूटनीति की ताकत है। देखा जाये तो पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति को झकझोर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य, जहां से भारत पहले अपनी कच्चे तेल की आपूर्ति का लगभग चालीस से पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा प्राप्त करता है उस पर दबाव बढ़ने से कई तरह की अटकलें लगाई गईं। लेकिन भारत न तो घबराया और न ही संकट में फंसा। इसका कारण है मोदी सरकार की दूरदर्शी ऊर्जा नीति और समय रहते उठाए गए रणनीतिक कदम। आज स्थिति यह है कि भारत में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की उपलब्धता एक महीने पहले की तुलना में काफी बेहतर हो चुकी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार की ऊर्जा की कमी नहीं है और पेट्रोल, डीजल तथा रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सुचारु बनी हुई है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि सुनियोजित रणनीति का परिणाम है। देखा जाये तो सबसे बड़ा बदलाव आया है ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण में। एक दशक पहले तक भारत केवल 27 देशों से कच्चा तेल लेता था, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 41 हो चुकी है। इसका सीधा मतलब है कि भारत अब किसी एक क्षेत्र पर निर्भर नहीं है। अमेरिका, रूस, कनाडा, नार्वे से लेकर अफ्रीकी देशों जैसे नाइजीरिया, अल्जीरिया और अंगोला तक भारत ने अपने ऊर्जा संबंधों का विस्तार किया है। एलएनजी के लिए कैमरून, इक्वेटोरियल गिनी और मोजाम्बिक जैसे नए साझेदार जुड़े हैं। यही नहीं, रणनीतिक भंडारण की दिशा में भी भारत ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पिछले 11 वर्षों में 5.3 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार तैयार किया गया है और अतिरिक्त क्षमता पर तेजी से काम चल रहा है। इसका मतलब यह है कि वैश्विक संकट के बावजूद भारत के पास आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है। मोदी सरकार ने केवल आपूर्ति बढ़ाने पर ही ध्यान नहीं दिया बल्कि प्रबंधन को भी मजबूत किया। चौबीसों घंटे निगरानी के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया और एक अंतर मंत्रालयी समूह रोज बैठक कर हालात का आकलन कर रहा है।

]जमाखोरी रोकने के लिए सख्त निर्देश दिए गए और राज्यों को आवश्यक वस्तुओं की सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।

यहां सबसे महत्वपूर्ण पहलू है कूटनीतिक सक्रियता।

पारा बढ़ने के साथ बढ़ता जल संकट

जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित बारिश और लंबे समय तक सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है जिससे जल संकट एक राष्ट्रीय आपातकाल में बदल गया है जो स्वास्थ्य, भोजन और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। इस बीच, पानी की बर्बादी हर दिन जारी है, टैंक ओवरफ्लो हो रहे हैं, पाइप लीक हो रहे हैं और नल लगातार बह रहे हैं। बहुत से लोग अब भी पानी को असीमित मानते हैं, यह नहीं समझते कि आज बर्बाद की गई हर बूंद हमें कल पानी की कमी के करीब ले जाती है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, अब बर्बादी बंद करके बचत शुरू करने का समय आ गया है। भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा और पानी की कमी और भी बदतर होती जाएगी। साथ ही यह जल संकट सिर्फ इस गर्मी तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और खराब जल नीतियां हमें राष्ट्रीय आपातकाल की ओर धकेल रही हैं। गर्मी का मौसम आ चुका है और पानी की कमी की समस्या भी शुरू हो गई है। बढ़ते तापमान, लंबे दिनों और अनिश्चित आपूर्ति के कारण भारत के अधिकांश शहरों और कस्बों में पानी की कमी होना लगभग तय है। कुछ ही समय में पानी की कटौती, टैंकरों पर निर्भरता और नलों का सूखा पड़ना आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगा लेकिन आपको संकट के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। पानी की कमी के तनाव से बचने के लिए आप अभी कुछ आसान और कारगर कदम उठा सकते हैं।इसमें कोई दो राय नहीं है कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट हर वर्ष अधिक गंभीर होता जा रहा है।

गर्मियों की शुरूआत के साथ ही देशभर में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। इससे जुड़े समाचार विभिन्न माध्यमों से प्रकाश में आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीती 29 मार्च को 'मन की बात' में कहा कि देश के कई हिस्सों में गर्मियों की शुरूआत हो चुकी है। ये समय जल संरक्षण के अपने संकल्प को फिर से दोहराने का है। पिछले 11 वर्षों में 'जल संचय अभियान' ने लोगों को बहुत जागरूक बनाया है। इस अभियान के तहत देशभर में करीब 50 लाख आर्टिफिशियल वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाए गए हैं। इसी दिन देवभूमि उत्तराखंड के हल्द्वानी से ऐसी ही खबर आई। पेयजल संकट की समस्या लेकर जल संस्थान के दफ्तर पहुंचे लोगों ने जमकर नारेबाजी की। महिलाओं की अधिकारियों के साथ बहस भी हुई। ऐसे में गुस्साए लोगों ने ईई कार्यालय पर ताला जड़ दिया और बाहर धरने पर बैठ गए। प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर स्थित मेजा रोड बाजार में भीषण गर्मी के साथ पेयजल संकट गहरा गया है। गर्मी की तल्खी के साथ ही हरियाणा के खाड़ी शहर में पेयजल संकट शुरू हो गया है। गर्मी बढ़ने के साथ-साथ पानी का उपयोग भी बढ़ जाता है। आप ज्यादा पानी पीते हैं, ज्यादा नहाते हैं और एयर कंडीशनर, पंखे और कूलर लगातार चलाते रहते हैं लेकिन इसका असर सिर्फ व्यक्तिगत असुविधा तक ही सीमित नहीं है। जितनी ज्यादा गर्मी होती है, उतना ही ज्यादा पानी इस्तेमाल होता है। आप ज्यादा पानी पीते हैं। आप ज्यादा बार नहाते हैं।

आप कूलर और पंखे ज्यादा देर तक चलाते हैं फिर भी पानी की जरूरतें बढ़ने के बावजूद आपूर्ति इसके साथ तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रही है। वास्तव में यह घट रही है। आपने शायद पहले से ही पानी से जुड़ी रोजमर्रा की चुनौतियों को महसूस किया होगा। नगर पालिका द्वारा पानी की आपूर्ति के घंटे कम होते जा रहे हैं, महंगे टैंकर के पानी पर निर्भरता बढ़ती जा रही है और भूजल स्तर चिंताजनक रूप से घट रहा है। नीति आयोग के समग्र जल प्रबंधन सूचकांक के अनुसार, लगभग 21 भारतीय शहरों में जल्द ही भूजल खत्म होने की आशंका है जिससे 1 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। इनमें चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। जल, जिसे कभी एक निःशुल्क और असीमित संसाधन माना जाता था, अब भारत के लिए जीवन-मरण का सबसे बड़ा संकट बनता जा रहा है। भारत में जल संकट न केवल भविष्य का खतरा है, बल्कि देश के कई हिस्सों में पहले से ही एक चुनौती बना हुआ है। दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु जैसे महानगरों से लेकर राजस्थान, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र जैसे सूखाग्रस्त राज्यों तक, इसके संकेत हर जगह दिखाई दे रहे हैं। बेंगलुरु के 2024 के संकट को ही लीजिए, जब पूरे महानगर में बोरवेल और झीलें सूख गईं। टैंकरों की कीमतें आसमान छू गईं जिससे हजारों लोगों को पीने और दैनिक उपयोग के लिए पानी की राशनिंग करनी पड़ी। रिपोर्ट में बताया गया कि बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा था, जिसके चलते कई समुदायों को प्रति टैंकर 2500 रुपये तक चुकाने पड़े, जो सामान्य कीमत से लगभग दोगुना था। चेन्नई, जो 2019 में भीषण संकट के दौर से गुजरा था, आज भी गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है और इस साल भी जलाशयों का जलस्तर खतरनाक रूप से कम हो गया है। दिल्ली-एनसीआर में टैंकरों पर बढ़ती निर्भरता और घटते भूजल स्तर ने लाखों लोगों के लिए पानी को एक दैनिक संघर्ष बना दिया है और इसका असर सिर्फ शहरों तक ही सीमित नहीं है। ग्रामीण क्षेत्र भी इससे समान रूप से प्रभावित हैं। फसलें बर्बाद होने, बोरवेल सूखने और सिंचाई की लागत बढ़ने से किसानों को इस संकट का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ रहा है जिससे भारत की खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। कपड़ा, विनिर्माण और निर्माण जैसे जल पर निर्भर उद्योगों को भी परिचालन संबंधी जोखिमों और बढ़ती लागतों का सामना करना पड़ रहा है। भारत का जल संकट रातों-रात नहीं आया। यह दशकों से पानी के अत्यधिक उपयोग, खराब योजना और निष्क्रियता का परिणाम है, जिसके चलते यह समस्या हर साल और भी गंभीर और खतरनाक रूप ले रही है। बढ़ती जनसंख्या, तीव्र शहरीकरण, प्राकृतिक जल संसाधनों का प्रदूषण और अनियंत्रित भूजल दोहन ने भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है, जो भारत की लगभग 85 फीसदी पेयजल आपूर्ति करता है।

शहर अपनी जल प्रणालियों की क्षमता से कहीं अधिक तेजी से फैल रहे हैं और 2025 की शुरूआती और भीषण गर्मी के साथ मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर और भी बढ़ रहा है। जल संसाधनों का बढ़ता प्रदूषण समस्या को और भी गंभीर बना देता है। गंगा, यमुना और गोदावरी जैसी नदियां कचरे और रसायनों से भर गई हैं जिससे अधिक से अधिक लोग घटते भूजल या महंगे टैंकर से आने वाले पानी पर निर्भर होने के लिए मजबूर हो रहे हैं। शहरी झीलें और तालाब या तो सूख गए हैं या विषैले हो गए हैं जिससे लाखों लोगों के पास सुरक्षित जल के स्रोत कम होते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण अप्रत्याशित बारिश और लंबे समय तक सूखे की स्थिति उत्पन्न हो रही है जिससे जल संकट एक राष्ट्रीय आपातकाल में बदल गया है जो स्वास्थ्य, भोजन और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। इस बीच, पानी की बर्बादी हर दिन जारी है, टैंक ओवरफ्लो हो रहे हैं, पाइप लीक हो रहे हैं और नल लगातार बह रहे हैं। बहुत से लोग अब भी पानी को असीमित मानते हैं, यह नहीं समझते कि आज बर्बाद की गई हर बूंद हमें कल पानी की कमी के करीब ले जाती है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, अब बर्बादी बंद करके बचत शुरू करने का समय आ गया है। भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा और पानी की कमी और भी बदतर होती जाएगी। साथ ही यह जल संकट सिर्फ इस गर्मी तक सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि और खराब जल नीतियां हमें राष्ट्रीय आपातकाल की ओर धकेल रही हैं। गर्मी का मौसम आ चुका है और पानी की कमी की समस्या भी शुरू हो गई है। बढ़ते तापमान, लंबे दिनों और अनिश्चित आपूर्ति के कारण भारत के अधिकांश शहरों और कस्बों में पानी की कमी होना लगभग तय है। कुछ ही समय में पानी की कटौती, टैंकरों पर निर्भरता और नलों का सूखा पड़ना आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाएगा लेकिन आपको संकट के आने का इंतज़ार करने की ज़रूरत नहीं है। पानी की कमी के तनाव से बचने के लिए आप अभी कुछ आसान और कारगर कदम उठा सकते हैंइसमें कोई दो राय नहीं है कि गर्मी के मौसम में पेयजल संकट हर वर्ष अधिक गंभीर होता जा रहा है। पेयजल संकट से बचने के लिए जल संरक्षण को सामूहिक लक्ष्य बनाना होगा। इसमें सरकार और समाज दोनों की बराबर जिम्मेदारी है। कुओं, झीलों, तालाबों और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों की सफाई और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। वर्षा जल संचयन को घरों और संस्थानों में अनिवार्य बनाया जाए, ताकि वर्षा का पानी संरक्षित होकर भूजल स्तर बढ़ा सके साथ ही पुराने तालाबों, कुओं और बावड़ियों का पुनर्जीवन किया जाना चाहिए। शहरों में पाइपलाइन लीकेज को तुरंत ठीक कर पानी की बर्बादी रोकना भी जरूरी है। यदि सरकार और समाज मिलकर प्रयास करें तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। Phone : 9810674206

कर्नल रोहित ने कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, ब्रिगेडियर जोशी की मौत मामले में उचस्तरीय जांच की मांग की

कांग्रेस ने ब्रिगेडियर जोशी की मौत की उचस्तरीय जांच मांगी।

कर्नल रोहित चौधरी ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

डॉ. हरक सिंह रावत ने भी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

देहरादून। ब्रिगेडियर मुकेश जोशी (सेनि) की मौत के मामले में सियासी और सामाजिक प्रतिक्रिया तेज हो गई है। कांग्रेस के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ ने घटना को गंभीर बताते हुए पुलिस से इसे केवल हादसा न मानकर षड्यंत्र के रूप में भी जांच करने की मांग की है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व सैनिक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी ने मंगलवार को देहरादून पहुंचकर कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और उचस्तरीय जांच जरूरी है, ताकि सचाई सामने आ सके और दोषियों को सख्त सजा मिल सके। उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले ब्रिगेडियर जोशी की मौत दो गुटों के बीच हुए विवाद के दौरान चली गोली से हुई, जो बेहद चिंताजनक है। इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कर्नल चौधरी ने कहा कि पूरे प्रदेश के पूर्व सैनिक इस दुख की घड़ी में जोशी के परिवार के साथ खड़े हैं। कांग्रेस भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने राय की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि दिनदहाड़े तीन किलोमीटर तक दो वाहनों का तेज रफ्तार में पीछा करना और लगातार फायरिंग होना दर्शाता है कि कानून-व्यवस्था कमजोर हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि डबल इंजन सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। कहा यह घटना पहली नहीं बल्कि लगातार जारी है। इस मौके पर कांग्रेस चुनाव प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की इस तरह मौत होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। देहरादून में लगातार दिनदहाड़े हो रही घटनाएं सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करती हैं। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि मामले की न्यायिक जांच कराई जाए और सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

टीईटी विवाद ने पकड़ा तूल- प्रदेश के 12 शिक्षक संगठन एक मंच पर, आठ अप्रैल से चरणबद्ध आंदोलन का एलान

भोपाल । मध्यप्रदेश में टीईटी अनिवार्यता को लेकर चल रहा विवाद अब आंदोलन के नए चरण में प्रवेश कर गया है। प्रदेश के 12 प्रमुख शिक्षक संगठनों ने अलग-अलग विरोध की बजाय एकजुट होकर संयुक्त मोर्चा बना लिया है और सरकार के खिलाफ संगठित लड़ाई छेड़ने की तैयारी कर ली है। इस एकता के साथ अब संघर्ष को व्यापक रूप देने की रणनीति तय की गई है।

एकजुट हुए शिक्षक, बनाया साझा मोर्चा

टीईटी और सेवा शर्तों को लेकर बढ़ते असंतोष के बीच विभिन्न शिक्षक संगठनों ने अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा का गठन किया है। संगठनों का कहना है कि अब यह मुद्दा सिर्फ परीक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि नौकरी की सुरक्षा और अधिकारों से जुड़ा हुआ है। इसी वजह से सभी संगठन एक मंच से आवाज बुलंद करेंगे।

8 से 18 अप्रैल तक आंदोलन की रूपरेखा

8 अप्रैल- जिला स्तर पर प्रदर्शन

11 अप्रैल- ब्लॉक स्तर पर धरना और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन

18 अप्रैल- राजधानी भोपाल में मुख्यमंत्री अनुरोध यात्रा

इस दौरान प्रदेशभर के शिक्षक बड़ी संख्या में भोपाल पहुंचकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे।

सरकार से ये हैं प्रमुख मांगें

शिक्षक संगठनों ने सरकार से सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने और लोक शिक्षण संचालनालय के आदेश को वापस लेने की मांग की है। उनका कहना है कि बिना स्पष्ट दिशा-निर्देश के जारी आदेश से लाखों शिक्षक असमंजस में हैं।

नियम बदलना अन्याय, शिक्षकों का आरोप

संगठनों का कहना है कि वर्षों पहले तय नियमों के आधार पर नियुक्त हुए शिक्षकों पर अब नई शर्तें लागू करना अनुचित है। उनका तर्क है कि लंबे समय बाद नियमों में बदलाव करना न केवल अव्यवहारिक है, बल्कि इससे सेवा शर्तों पर भी असर पड़ता है।

अस्पष्ट आदेश से बढ़ी परेशानी

शिक्षकों के मुताबिक DPI के आदेश में यह स्पष्ट नहीं है कि किन पर टीईटी लागू होगा और किन पर नहीं। इसी वजह से करीब डेढ़ लाख शिक्षक असमंजस और असुरक्षा की स्थिति में हैं। टीईटी के साथ-साथ सेवा अवधि और वरिष्ठता निर्धारण का मुद्दा भी आंदोलन का अहम हिस्सा बन गया है। शिक्षक संगठन इस पर स्पष्ट नीति की मांग कर रहे हैं।

धर्म स्वतंत्रता विधेयक के विरोध में ईसाई आदिवासी महासभा की विशाल रैली, 20 हजार से अधिक लोग शामिल

जशपुर । ईसाई आदिवासी महासभा के बैनर तले आज कुनकुरी में छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2026 के विरोध में एक बड़ी रैली और आमसभा आयोजित की गई। कार्यक्रम के बाद राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन एसडीएम कुनकुरी को सौंपा गया। आयोजकों ने दावा किया कि इस विरोध प्रदर्शन में बीस हजार से अधिक लोग शामिल हुए। सुबह करीब दस बजे से ही ईसाई समुदाय के लोग शहर में जुटने लगे थे। दोपहर बारह बजे तक भीड़ बीस हजार के पार पहुंच गई थी। खेल मैदान में जगह कम पड़ने पर करीब साढ़े दस बजे रैली निकाली गई। यह रैली शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मैदान पहुंची। आयोजकों का कहना है कि कुनकुरी खेल मैदान में इतनी बड़ी भीड़ पहले कभी नहीं देखी गई थी। जिले के लगभग हर ईसाई परिवार से लोग इसमें शामिल हुए। इस आंदोलन में जशपुर ईसाई धर्मप्रान्त के बिशप इमानुएल केरकेट्टा केंद्रीय कैथोलिक सभा के संरक्षक के रूप में शामिल हुए। ईसाई आदिवासी सभा के जिलाध्यक्ष वाल्टर कुजूर ने विधेयक को ÷काला कानून बताया। उन्होंने इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। रैली के दौरान शहर में यातायात भी प्रभावित हुआ। राष्ट्रीय राजमार्ग पर होलीक्रॉस अस्पताल तिराहे के पास करीब आधे घंटे तक जाम रहा। इसमें एक एंबुलेंस और कई परीक्षार्थी फंस गए थे। वाल्टर कुजूर ने मौके पर पहुंचकर जाम खुलवाया। वक्ताओं ने विधेयक को धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया और मुख्यमंत्री पर आरोप लगाए। आयोजकों ने बताया कि इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को जशपुर शहर में भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। यह आंदोलन भी ÷छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता विधेयक, 2026 के विरोध में होगा। रैली और सभा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

नक्सलवाद पर विजय- डिप्टी सीएम विजय शर्मा बोले- आज ऐतिहासिक दिन, छत्तीसगढ़ से नक्सवाद पूरी तरह खत्म

रायपुर ।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा मंगलवार को प्रेस क्लब रायपुर पहुंचे और आयोजित विशेष कार्यक्रम नक्सलवाद पर विजय में भाग लिया। इससे पहले मंच पर प्रेस क्लब की ओर से उनका स्वागत किया गया।

राजधानी रायपुर स्थित रायपुर प्रेस क्लब में नक्सलवाद पर विजयकार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि आज ऐतिहासिक दिन है। छत्तीसगढ़ से सशक्त नक्सल कैडर खत्म हुआ।

50 वर्षों का संघर्ष दो वर्ष में खत्म

कार्यक्रम में गृहमंत्री विजय शर्मा ने आगे कहा कि 50 वर्षों का संघर्ष दो वर्ष में खत्म हुआ। बस्तर की जनता ने अब नक्सलवाद को नकार दिया है। सरकार ने नक्सल को लेकर चर्चा के सारे विकल्प खुले रखे थे। आर्म्स फोर्स की ऑपरेशन में बड़ी सफलता रही। उनके अदम्य साहस को सलाम है।

विपक्ष ने हमेशा आरोप लगाए

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि विपक्ष ने सहयोग देने की बजाय एनकाउंटर को लेकर आरोप लगाया। इसके जवाब में नक्सली प्रेस नोट भी जारी किया था। पर आज विपक्ष को भी बस्तर की जनता ने जवाब दे दिया है। हमने ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों से बातचीत की। नक्सल उन्मूलन में स्थानीय पत्रकारों की अहम भूमिका रही।

आज बस्तर में शांति है

रायपुर प्रेस क्लब में डिप्टी सीएम ने संबोधित करते हुए कहा कि आज बस्तर में शांति है। बस्तर पंण्डुम , बस्तर ओलंपिक का आयोजन हो रहा है। प्रदेश की नक्सल पुनर्वास नीति बेहद कारगर रही। लोगों को जागरूक करने स्थानीय बोली, भाषा, रेडियो को महत्व दिया गया।

सरेंडर नहीं ससम्मान आत्मसमर्पण का नाम दिया

कार्यक्रम में गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि सरेंडर नहीं ससम्मान आत्मसमर्पण का नाम दिया। दो हजार से यादा नक्सली सरेंडर किए। बस्तर के लोगों ने कहा कि हम आज आजाद हुए हैं। राजा सलाम जैसे कई लोग नक्सलवाद का दंश झेला है।

जल, जंगल, जमीन, पशु, पक्षी, जानवर सब लोग नक्सल आतंक से पीड़ित रहे हैं। आज सबकी आजादी मिली है। आईडी, बारूद, बिछाते थे नक्सली। ठेकेदारों की गला रेतकर हत्या की गई। बता दें कि कार्यक्रम के शुरुआत में नक्सल पीड़ित लोगों की डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

बाबा विश्वनाथ की शरण में सीएम मोहन यादव, कहा- एमपी और यूपी मिलकर लिखेंगे विकास की नई इबारत

भोपाल/वाराणसी। मध्यप्रदेश-उत्तर प्रदेश सहयोग सम्मेलन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31 मार्च को वाराणसी पहुंचे। वाराणसी पहुंचने पर उत्तरप्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, खेल एवं युवा कल्याण रायमंत्री गिरीश यादव सहित वाराणसी के जनप्रतिनिधि तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे। सीएम डॉ. यादव ने यहां बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन किए और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का भ्रमण किया। उन्होंने यहां क्राउड फ्लो डिजाइन, इंफ्रास्ट्रक्चर, तीर्थयात्री प्रबंधन प्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर भीड़ प्रबंधन पर विशेष प्रस्तुतियां देखीं। इसके अलावा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में अधिकारियों के साथ भी बैठक की। उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़ीं कई अहम जानकारियां भी लीं। गौरतलब है कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की इस यात्रा का उद्देश्य मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच सहयोग को और मजबूत करना है। इस प्रवास के दौरान उन्होंने मां गंगा के कई तटों का अवलोकन भी किया। उन्होंने गंगा की पूजा-अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के साथ संवाद भी किया। इस बीच मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया से कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का प्रबंधन बहुत अच्छा लगा। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। उसके साथ ही, यहां के निवासियों ने इस निर्णय को स्वीकार बड़ा योगदान दिया। पूरे विश्व की भगवान शंकर पर आस्था है।

धार्मिक पर्यटन और लघु उद्योगों पर फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ओडीओपी को लेकर उत्तर प्रदेश में बहुत अच्छा काम हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम का इसमें बड़ा योगदान है। हमारी सरकार भी इस पर बड़ा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम इस पर चर्चा करेंगे कि दोनों रायों के बीच क्या बेहतर हो सकता है। हम धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ लघु उद्योगों पर भी ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में बनारसी साड़ी की विरासत रही है, उसी तरह मध्यप्रदेश में चंदेरी, महेश्वरी साड़ी सहित लघु उद्योगों पर काम हो रहा है।

लोगों की जिंदगी बदलने पर विचार-विमर्श

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस तरह बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर में भीड़ प्रबंधन हो रहा है, उसी तरह का प्रबंधन हम सिंहस्थ में भी चाहते हैं। हमारा दौरा उसी की जानकारी लेने और योजना बनाने के लिए है। सभी रायों में बेहतर धार्मिक पर्यटन की व्यवस्था हो, धार्मिक पर्यटन से लोगों की जिंदगी में बदलाव आए, इस पर विचार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महाकाल लोक बनने के बाद पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था बदल गई है। इसी तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनने के बाद यहां भी बदलाव आया है। सभी लोगों को साथ मिलाकर विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हम बाबा महाकाल और काशी विश्वनाथ को लेकर योजनाओं-जानकारियों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके लिए हम एमओयू भी साइन करेंगे। हम प्रयास करेंगे कि दर्शन के लिए जनता को बेहतर से बेहतर सुविधा मिले। यहां हाल ही में प्रयागराज कुंभ हुआ है और उज्जैन में सिंहस्थ होने वाला है। ऐसे में सुगमता बनी रहे, सारी व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए हमने प्रजेंटेशन भी देखा। हम इस बात का भी अध्ययन कर रहे हैं कि भविष्य में और क्या किया जा सकता है।

गरीबों की जिंदगी बेहतर करना उद्देश्य

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि मैं यहां एक और कारण से भी आया हूं। दोनों रायों के युवाओं को रोजगार मिले, गरीबों की जिंदगी बेहतर हो, उत्पादों की सही कीमत मिले, राय की समृद्धि हो-देश की समृद्धि हो, इसके लिए लघु उद्योगों के बीच कैसा समन्वय बनाया जाए, इसका भी अध्ययन किया जाएगा। इसे लेकर हमारा रोड शो भी होने वाला है। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर मध्यप्रदेश में रिसर्च चल रही है, सरकार उसके लिए फैलोशिप भी दे रही है।

उनके जीवन के विराट व्यक्तित्व पर बाबा विश्वनाथ धाम पर 3-4-5 अप्रैल को महानाट्य का मंचन किया जाएगा। इसमें करीब 400 कलाकार भाग लेंगे। हम इस महानाट्य की विधा को दोबारा जीवंत कर रहे हैं। वो समय चला गया जब रायों के बीच कटुता होती थी, अब सौहार्द का समय है। हम केन-बेतवा नदी जोड़े परियोजना और सोलर परियोजना पर उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

कुशीनगर इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कान्क्लेव कुशीनगर हवाई अड्डा, बस अड्डा, रेल जंक्शन चालू किए बिना पर्यटकों के साथ धोखा, दिखावा, धन की बर्बादी का संदेश होगा-अभय रत्न बौद्ध

नई दिल्ली (आकाश शक्य)राष्ट्रीय बौद्ध धम्म संसद बुध्दगया एवं बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत के राष्ट्रीय समन्वयक एवं संगठक अभय रत्न बौद्ध ने भारत सरकार की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी को ÷पत्र - याचिका÷ भेजकर कहा है कि–

1 - वर्ष 2014 से (लगातार 12 वर्षों से) भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली, अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन केंद्र, जनपद कुशीनगर उत्तर प्रदेश को गोरखपुर रेल जंक्शन से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या -28 के साथ ग्राम सुकरौली, जगदीशपुर, रामपुर, हाटा बाजार, अहरौली होते हुए ÷कुशीनगर रेल जंक्शन÷ बनाने एवं नई रेल लाइन बिछाने की अपील ÷राष्ट्रीय बौद्ध धम्म संसद बुध्दगया÷ के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर आग्रह करते आ रहे है।

इस संदर्भ में वर्ष 2017-18 में रेल प्रशासन द्वारा कुशीनगर के लिए घूमाकर गोरखपुर वाया,- पडरौना,क्रपथरदेवा,

ष्ट-कुशीनगर, ष्ठ- हैतिमपुर, श्च-हाटा,स्त्र-रामपुर सोहरौना, त्त-बेन्चरा,॥- सरदार नगर स्टेशन बनाने का सर्वे प्लान किया गया और प्रशासन द्वारा लगभग 1345 करोड़ रूपए की धनराशि खर्च की गई।

देखने में आया है कि बौद्ध पर्यटक स्थलों के साथ की जा रही भेदभाव पूर्ण नीति के चलते गोरखपुर -कुशीनगर रेल परियोजना का कार्य रोंक दिया गया है। जिससे देशी- विदेशी पर्यटकों में भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति अविश्वास पैदा हो रहा है।

2 - अंतरराष्ट्रीय पर्यटक केंद्र, जनपद कुशीनगर भ्रमण के लिए आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों, यात्रियों की यात्रा सुगम बनाने के लिए 590 एकड़ भूमि पर कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पहली बार शिलान्यास 10 अक्टूबर 1995 को तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री बहन मायावती के कार्यकाल में केंद्रीय ममंत्री भारत सरकार ,गुलाम नबी आजाद ने किया था जिसे 20 जून 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के द्वारा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रूप में स्वीकृति प्रदान की गई।

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बनाने में लगभग 260 करोड़ से 448 करोड़ रूपए की धनराशि खर्च करके हवाई जहाजों के संचालन हेतु

20 अक्टूबर 2021 को भारत सरकार के प्रधानमंत्री माननीय, नरेंद्र मोदी जी के कर कमलों द्वारा उदघाटन किया गया। तत्पश्चात एक- दो पड़ोसी देशों के जहाजों के आवागमन के बाद कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भेदभावपूर्ण नीति के चलते एक ÷सफेद हाथी÷ बन कर रह गया है। जो मात्र देशी- विदेशी पर्यटकों के लिए दिखावा बन गया है। देखना होगा कि कब तक भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री एवं अधिकारी गण आपसी सहमति बनाकर देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से हवाई जहाजों का आना - जाना शुरू करा पाएंगे? या फिर कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा सफेद हाथी बनकर ही रह जाएगा।

3- कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल पर पर्यटकों के आने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल में बस अड्डा का संचालन किया गया था,जो कि पुराने बस अड्डा के स्थान पर प्राइवेट बसों के लिए पार्किंग बना दिया गया है।

पर्यटक विरोधी अफसरशाही के चलते गोरखपुर, देवरिया, कसया, तमकुही, गोपालगंज आदि शहरों से जाने - आने वाली बसें कुशीनगर पर्यटक स्थल बस अड्डा होकर गुजरती थी और पर्यटकों की यात्रा सुगम होती थी। किंतु आज अंतरराष्ट्रीय पर्यटक स्थल कुशीनगर आने-जाने के लिए कोई भी सिटी बस या रोडवेज बस अड्डा की व्यवस्था नहीं है।

कुशीनगर आने वाले पर्यटकों का उत्पीड़न किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में पहले की भांति पर्यटक स्थल कुशीनगर में सिटी बस, रोडवेज बसों के ठहराव के लिए बस अड्डा बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। ऐसी स्थिति में हमारा मानना है कि पर्यटकों को तड़पाकर बिना सुविधा प्रदान किए पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार लाखों -करोड़ों की धनराशि ÷इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कांक्लेव÷ के नाम पर खर्च करके बर्बादी का संदेश क्यों देना चाहती है? यदि सरकार कुशीनगर में निवेश चाहती है, राजस्व प्राप्त करना चाहती है तो! बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डा का संचालन करने की कार्य योजना तत्काल लागू करें और यदि सरकार के मंत्री गण और अफसर शाही सच्चे मन से पर्यटकों का कल्याण करना चाहते हैं तो कुशीनगर में अंतर्राष्ट्रीय मानक के अनुसार सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कन्वेंशन सेंटर, ऑडिटोरियम, पर्याप्त टॉयलेट बाथरूम जन सुविधा परिसरों आदि विकास कार्यों का निर्माण करवा कर कुशीनगर को ÷स्मार्ट पर्यटक सिटी÷ के रूप में विकसित किये जाने की कार्य योजना बनाई जाए अन्यथा ÷सौ दिन चले अढ़ाई कोस÷ की कहावत चरितार्थ होगी और पर्यटन विकास के नाम पर पर्यटकों के साथ विश्वास घात होता रहेगा। याचिका के प्रति भारत सरकार के रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री श्री राम मोहन नायडू किंजरापु, एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव श्री शशि प्रकाश गोयल को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी गई है।

जारी कर्ता
एस.के. गौतम
केंद्रीय कार्यालय सचिव
बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत।

श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई स्वर्गीय श्रीमती शीला दीक्षित की 88वीं जयंती

नई दिल्ली।(ए,के,चौधरी) दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्रीमती शीला दीक्षित की 88वीं जयंती उनके पुराने निवास स्थान पर श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके पुत्र एवं पूर्व सांसद, उनकी बहन श्रीमती रमा धवन तथा पुत्री रतिका सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रीमती शीला दीक्षित के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दिल्ली के विकास में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि शीला दीक्षित ने अपने कुशल नेतृत्व से दिल्ली को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया और राजधानी के बुनियादी ढांचे को सशक्त बनाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इस अवसर पर पूर्व दिल्ली मंत्री श्रीमती किरण वालिया, शिश पाल, विजय लोचव, प्रमुख कांग्रेस नेता जितेंद्र कोचर, वीरेंद्र कसाना, सी.पी. मित्तल, ए.के. त्रिपाठी, आदेश भारद्वाज, श्रीमती पुष्पा सतवीर, दिनेश कुमार, बृज मोहन, नाथू सिंह नंबरदार, लक्ष्मण रावत, राजीव वर्मा, महेंद्र भास्कर तथा Accredited Journalists Association के अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी सहित अनेक प्रमुख नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी ने एक स्वर में कहा कि स्वर्गीय शीला दीक्षित का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और उनका कार्यकाल दिल्ली के स्वर्णिम युग के रूप में याद किया जाएगा।

अशोका एक्सप्रेस की बेवसाईड से जुड़ने के लिए दिए गए QR कोड को स्केन करे।

अशोका एक्सप्रेस
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार-पत्र

प्रिय पाठक, विज्ञापन दात्ता,
आप अपने क्षेत्र की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्य तथा धार्मिक लेख, कविता एवं कार्टून लिख भेजें। व्हाट्सएप या ईमेल पर आपके द्वारा भेजी गई सामग्री सुव्यवस्थित ढंग से प्रकाशित किया जायेगा।
नोट: पूर्व प्रकाशित लेखो को न भेजे।

संपादक: विजय कुमार

Website: https://ashokaexpress.com/, Email:-ashoka.express@live.com, Mobile No. 9810674206

अशोका एक्सप्रेस को आर्थिक योगदान भी कर सकते है।

Account Holder Name : ASHOKA EXPRESS
Bank Account No. : 10650995502 & 41856402452
IFSC Code : SBIN0004846
UPI ID : 9810674206@sbi

बैंक ऑफ बड़ौदा की दरियागंज में नई शाखा का उद्घाटन

नई दिल्ली (साहिल गौड़)बैंक ऑफ बड़ौदा ने दरियागंज में अपनी नई शाखा का उद्घाटन किया। इस पहल के साथ बैंक ने राष्ट्रीय राजधानी में अपनी उपस्थिति को और सुदृढ़ करते हुए स्थानीय निवासियों एवं व्यापारियों के लिए बैंकिंग सेवाओं को अधिक सुलभ बनाया है।

शाखा का उद्घाटन श्री एम.वी.एस. सुधाकर, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, नई दिल्ली क्षेत्र, के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में श्री सुधाकर ने बैंक की ग्राहक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार तथा वित्तीय समावेशन के प्रति प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि नई शाखा में आधुनिक बैंकिंग सुविधाएं, खुदरा बैंकिंग, डिजिटल सेवाएं तथा लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए विशेष सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस कार्यक्रम में श्री अजीत सिंह यादव, शाखा प्रमुख, दरियागंज शाखा; सुश्री प्रग्या बिसेन, उप क्षेत्रीय प्रमुख, पूर्वी दिल्ली क्षेत्र; श्री सनी चावला, क्षेत्रीय प्रमुख, पूर्वी दिल्ली क्षेत्र; तथा श्री एम.एस. चौहान, पूर्व प्रबंधक भी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। 11बी, नेताजी सुभाष मार्ग स्थित यह नई शाखा क्षेत्र के व्यावसायिक एवं आवासीय इलाकों को बेहतर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करेगी।

इस नई शाखा के साथ बैंक ऑफ बड़ौदा ने नई दिल्ली में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए एक विश्वसनीय बैंकिंग साझेदार के रूप में अपनी भूमिका को और मजबूत किया है।

रुपये की रिकार्ड गिरावट पर कांग्रेस का तंज, पीएम मोदी को याद दिलाया उनका पुराना बयान

नई दिल्ली ।

कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि रुपये के एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95 का आंकड़ा पार करने के साथ ही प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी मुद्रा के मूल्य में गिरावट के साथ घट रही है। बेंगलुरु में पत्रकारों से बात करते हुए सुरजेवाला ने रुपये के गिरते मूल्य को लेकर तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी को याद किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब एक अमेरिकी डॉलर 54 रुपये के बराबर था, तब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से कहते थे कि रुपये के साथ-साथ प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा भी गिरती है। उनके प्रधानमंत्री रहते हुए अब रुपये का मूल्य इतना गिर गया है कि एक अमेरिकी डॉलर 95 रुपये के बराबर हो गया है। इससे निर्यात को नुकसान हो रहा है, उद्योगों और व्यापार पर असर पड़ रहा है। क्या अब प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिष्ठा नहीं गिर रही है? कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्र सरकार से स्थिति का जायजा लेने और सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया। शिवकुमार ने कहा कि रुपया गिर गया है, डॉलर बढ़ गया है। इसका असर आम आदमी पर पड़ रहा है। मुझे केंद्र सरकार की नीतियों की जानकारी नहीं है। हमारी मांग है कि केंद्र सरकार स्थिति को नियंत्रित करे और सामान्य स्थिति बहाल करे। सोमवार को रुपया अपने सर्वकालिक निचले स्तर 95.23 पर पहुंच गया, जो घरेलू और विदेशी मुद्रा बाजारों में तीव्र अस्थिरता को दर्शाता है। घरेलू मुद्रा में यह कमजोरी ब्रेंट क्रूड की कीमतों के 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बने रहने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा भारतीय शेयर बाजार से लगातार पैसा निकालने के कारण आई है। बाजार आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों (एफपीआई) ने अकेले मार्च में 1,31,122 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं, जिससे रुपये पर काफी दबाव पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 10 अप्रैल तक घरेलू बाजार में शुद्ध खुली स्थिति को 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक सीमित करने के निर्देश के कारण आज रुपये में कुछ सुधार देखने को मिला और यह 93.58 पर खुला। हालांकि, जल्द ही दबाव बढ़ गया और रुपया 95 के स्तर पर पहुंच गया।

डिलीवरी बॉय की हत्या करने वाले बदमाश मुठभेड़ में घायल, दोनों के पैर में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली ।

दिल्ली के डाबड़ी इलाके में ताबड़तोड़ चाकूबाजी कर डिलीवरी बॉय की हत्या और तीन अन्य को घायल करने वाले बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। इस दौरान दोनों तरफ से गोलियां चलीं। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी हैं। बदमाश की पहचान प्रेम शर्मा और रोहित के रूप में हुई है घायल बदमाश को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। साथ ही बदमाश की सूचना मिलने पर द्वारका इलाके में अलग अलग जगहों पर टीम लगाकर घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया हुआ था। दोनों जगहों पर बदमाश पुलिस को देखकर भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली दोनों बदमाश के पैर में लगी, जिसके बाद वह घायल होकर गिर गए। पुलिस टीम ने मौके पर ही उन्हें पकड़ लिया और इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार एक बदमाश पहले भी एक आपराधिक मामले में शामिल रहा है। दरअसल द्वारका के मधु विहार इलाके में कहासुनी के बाद दो हमलावरों ने एक युवक पर हमला कर दिया। हमलावरों ने बीच बचाव करने आए तीन अन्य लोगों पर भी चाकू से हमला किया और भाग गए। घायल चारों को पास के अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने 30 साल के गोविंद झा को मृत घोषित कर दिया। वहीं परवेज हुसैन अनीस और रोहित का इलाज चल रहा है। तीनों बयान देने की हालत में नहीं हैं। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि रविवार की रात डाबड़ी थाना पुलिस को मधु विहार राजापुरी में झगड़े में कुछ लोगों के चाकू मारे जाने की जानकारी मिली। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, पीसीआर कर्मी चार घायलों को पास के अस्पताल लेकर जा चुके थे। वहां पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि डॉक्टरों ने मोहन गार्डन निवासी गोविंद झा को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। छानबीन में पता चला कि गोविंद झा स्विगी कंपनी में डिलीवरी बॉय का काम करते थे और अपनी पत्नी और 11 साल के बेटे के साथ मोहन गार्डन में रहते थे। वहीं परवेज हुसैन, अनीस और रोहित राजापुरी इलाके में रहता हैं। परवेज अमेजन के वेयर हाउस में काम करता है। अनीस नोएडा में दर्जी और रोहित पहले चिकन शॉप पर काम करते हैं।

मौके पर पूछताछ में पता चला कि रोहित का अपने पड़ोस में रहने वाले दो लड़कों से बैग टकराने को लेकर विवाद हो गया। मारपीट में आरोपियों ने रोहित पर चाकू से हमला कर दिया। यह देखकर परवेज और अनीस रोहित को बचाने का प्रयास करने लगे। हमलावरों ने उन दोनों पर भी चाकू से हमला कर दिया। इसी बीच वहां डिलीवरी के लिए गोविंद झा पहुंचे। चाकूबाजी होता देख वह बीच बचाव करने लगे। हमलावरों ने उनके सीने में चाकू गोद दिया।

बिना पसंदीदा अपशब्दों का प्रयोग किए 90 मिनट तक दिया भाषण, कांग्रेस का गृहमंत्री अमित शाह पर तंज

नई दिल्ली । कांग्रेस ने मंगलवार को गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधता। कांग्रेस ने कहा उन्होंने लोकसभा में एक चमत्कार कर दिखाया। उन्होंने 90 मिनट तक बिना एक बार भी अपने पसंदीदा अपशब्द का इस्तेमाल किए उग्र भाषण दिया। विपक्षी दल का यह कटाक्ष गृह मंत्री अमित शाह की उस घोषणा के एक दिन बाद आया है। इसमें उन्होंने कहा था कि माओवादियों के सर्वोच्च निकाय और केंद्रीय ढांचे को लगभग पूरी तरह से ध्वस्त कर दिए जाने के बाद देश नक्सलियों से मुक्त हो गया है। इसके साथ ही कहा कि कांग्रेस ने उग्रवादियों की हिंसा के लंबे दौर को समाप्त करने के लिए कुछ नहीं किया है। लोकसभा में देश को वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से मुक्त करने के प्रयासों पर बहस हुई। इसका जवाब देते हुए गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई बार सार्वजनिक रूप से नक्सल समर्थकों के साथ देखा गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से माओवादियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण वीडियो भी पोस्ट किए। गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ÷कल लोकसभा में गृह मंत्री ने चमत्कार कर दिखाया। उन्होंने 90 मिनट तक जमकर भाषण दिया और एक बार भी अपने पसंदीदा अपशब्द का इस्तेमाल नहीं किया, जिसे पहले कई बार रिकॉर्ड से हटाना पड़ा था। कांग्रेस नेता रमेश ने इस महीने की शुरुआत में एक्स को टैग करते हुए अपनी पोस्ट में गृह मंत्री पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा था कि लोकसभा में उनके की ओर से बोले गए उनके पसंदीदा शब्दों में से एक को हटा दिया गया है। लोकसभा अध्यक्ष पद से ओम बिरला को हटाने के विपक्ष के प्रस्ताव को निचले सदन में तीखी बहस के बाद खारिज कर दिए जाने के बाद गृह मंत्री अमित शाह पर यह कटाक्ष किया गया था। बहस का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी के इस दावे को खारिज कर दिया कि उन्हें सदन में बोलने की अनुमति नहीं दी गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता सत्रों के दौरान अक्सर विदेश में रहते थे और जानबूझकर चर्चाओं में शामिल नहीं होते थे क्योंकि वे बोलना नहीं चाहते थे। दो दिन तक चली बहस के अंत में जब गृह मंत्री अपना भाषण समाप्त कर रहे थे, तब विपक्षी सदस्य सदन के वेल में जाकर विरोध प्रदर्शन करने लगे और नारे लगाने लगे। उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की कुछ टिप्पणियों के लिए माफी की मांग की थी, जिन्हें उन्होंने अपमानजनक बताया था। सोमवार को लोकसभा में अपने संबोधन में शाह ने कांग्रेस को निशाना बनाते हुए दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1970 के दशक में तत्कालीन अविभाजित आंध्र प्रदेश में हुए चुनाव में नक्सलियों का समर्थन स्वीकार किया था। वे माओवादी विचारधारा से ÷प्रभावित÷ रहीं थीं। उन्होंने छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्र का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ÷विशेषज्ञों का कहना है कि सत्ता में बैठे लोगों के समर्थन के बिना रेड कॉरिडोर का निर्माण नहीं हो सकता था।÷ यह बहस गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सली हिंसा के उन्मूलन के लिए घोषित समय सीमा से एक दिन पहले आयोजित की गई थी। पिछले साल गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि देश में 31 मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) समाप्त हो जाएगा। नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि नक्सल मुक्त भारत है; कोई भी शोधकर्ता इसे स्वीकार करेगा।

अब वीर एकलव्य के नाम से जाना जाएगा बेलनहवा चौराहा

फरेंदा, महराजगंज।

विधानसभा फरेंदा क्षेत्र के निषाद बाहुल्य इलाके का बेलनहवा चौराहा अब वीर एकलव्य चौराहे के नाम से जाना जाएग। कांग्रेस विधायक वीरेंद्र चौधरी ने मंगलवार को यहां स्थापित एकलव्य की मूर्ति का अनावरण करते हुए चौराहे का नामकरण भी किया। बेलनहवा चौराहा आसपास के दर्जन भर निषाद बाहुल्य गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख चौराहा है। यहां के पूर्व प्रधान स्वर्गीय तपसी निषाद की इच्छा थी कि इस चौराहे का नाम उनके बिरादरी के वीर सपूत एकलव्य के नाम से हो। क्षेत्र के पटवारी निषाद,राम मिलन साहनी आदि ने क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र चौधरी से इसके नामकरण की मांग की थी। विधायक वीरेंद्र चौधरी ने करीब एक लाख की लागत से वीर एकलव्य की मूर्ति बनवाकर उसकी स्थापना उक्त चौराहे पर की। मंगलवार को भव्य समारोह और भारी जनसमूह की उपस्थिति में चौराहे का नाम करण किया। जातीय समीकरण के आधार पर देखें तो विधानसभा के चुनावी वर्ष में कांग्रेस विधायक का यह बड़ा राजनीतिक दांव है। जनसमूह को

संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से आप द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधि आपके वोटों के बल पर अपना हित साधते रहे। कभी आपके सम्मान को तवज्जो नहीं दिया।

उल्टे जल और जंगल जिस पर पहला हक आपका है,उसका दोहन करते रहे। उन्होंने कहा कि यह इलाका बाढ़ ग्रस्त है। बरसात के मौसम में यहां के लोग रात भर सो नहीं पाते थे,इस डर से कि रात बिरात

विधायक वीरेंद्र चौधरी ने एकलव्य की मूर्ति का अनावरण कर किया चौराहे का नामकरण

बाढ़ न आ जाय और आपका सबकुछ बहा ले जाय। कहा की आप ने अवसर दिया तो सबसे पहले बाढ़ से बचाव के लिए बंधों को मजबूत करने का काम किया। कुछ काम जो अभी बाकी है,वह आने वाले एक दो महीने में शुरू होंगे। कार्यक्रम के अंत में विधायक चौधरी ने स्वर्गीय तपसी की पत्नी को अंग वस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर आनंद नगर के प्रथम चेयरमैन जय प्रकाश लाल, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष झिनकू चौधरी, जिला पंचायत सदस्य सुरेश साहनी,मोहन प्यारे, पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेश मौर्य, विजय कुमार चौधरी, डाक्टर राम नारायन चौरसिया, जिला पंचायत सदस्य राहुल शर्मा,विनय तिवारी, हनुमान प्रसाद,रामदेव यादव,शेषमणि यादव, प्रदीप गुप्ता सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का शानदार संचालन मुजम्मिल ने किया।

हत्या के मुकदमे में फरार अभियुक्त के खिलाफ धारा 82 की कार्रवाई

भटनी देवरिया।

पुलिस अधीक्षक देवरिया संजीव सुमन के निर्देश पर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत भटनी पुलिस ने हत्या के मुकदमे में फरार चल रहे अभियुक्त के खिलाफ धारा 82 सीआरपीसी के तहत उद्घोषणा की कार्रवाई की। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी भाटपाररानी अंशुमन श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में थाना भटनी पुलिस ने मु.अ.सं. 67/2023 धारा 302, 498ए, 306 आईपीसी में फरार चल रहे अभियुक्त सुनील प्रसाद पुत्र स्व. बंधु प्रसाद निवासी बनकटा दीक्षित थाना भटनी जनपद देवरिया के विरुद्ध न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर मंगलवार को उसके घर पहुंचकर उद्घोषणा और मुनादी की कार्रवाई की। पुलिस ने ग्राम चौकीदार से डुग्गी पिटवाकर फरार अभियुक्त की जानकारी सार्वजनिक कराई तथा उसके घर और सार्वजनिक स्थानों पर नोटिस चस्पा किया। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष मृत्युन्जय राय, कांस्टेबल बृजेन्द्र सिंह यादव एवं कांस्टेबल श्रीराम यादव शामिल रहे।

भटनी पुलिस ने घर पर मुनादी कर चस्पा किया नोटिस

शीशम के पेड़ से लटका मिला महिला का शव, इलाके में सनसनी

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा कौवासार स्थित सेखुई नहर के पास एक 51 वर्षीय महिला का शव शीशम के पेड़ से लटका मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान माया देवी (51 वर्ष), पत्नी निजामुद्दीन, निवासी ग्राम सभा बभनौली के रूप में हुई है। सुबह नहर किनारे पेड़ से शव लटकता देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी चंद्रभूषण प्रजापति पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और मृत्यु के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा।

समाज कल्याण प्राथमिक विद्यालय छितौनी में अंकपत्र व पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

नेबुआ नौरंगिया, कुशीनगर।

समाज कल्याण प्राथमिक विद्यालय छितौनी में सत्र 2025-26 के अंतर्गत अंकपत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को उनके शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर सम्मानित किया गया तथा अभिभावकों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण माहौल रहा। कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में काजल, रामू चौहान, कृष्णा जायसवाल, अनुपा चौहान, रूपाली चौहान, रीमा, पियूष, रिया, दिव्या और हिमांशु चौहान शामिल रहे। वहीं पूरे विद्यालय में सर्वाधिक 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सोनम मिश्रा ने प्रथम स्थान हासिल किया, जिन्हें अगले सत्र की 30 प्रतिशत शुल्क माफी प्रदान की गई। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली रूपाली चौहान को 25 प्रतिशत शुल्क माफी दी गई, जबकि सर्वाधिक उपस्थिति के लिए

आलोक चौधरी को भी 25 प्रतिशत शुल्क छूट से सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अन्य विद्यार्थियों में खुशबू, शिवानी, पृथ्वीराज, सत्यम, निशा, अंतिम, रजत, जय, किरण, पुष्पा एवं नंदिनी शामिल रहे, जबकि तृतीय स्थान पर मनीष, आभार, शिवानी, राजनंदन, अमृता, अनुष्का, श्यामू, नंदिनी, प्रिया एवं रूबी निषाद रहे। विद्यालय के शिक्षकों–अभय मिश्रा, ओमप्रकाश भास्कर, रामनरेश वर्मा, अनुपमा मिश्रा, पुनिता, पुष्पा, प्रियंका एवं अर्पिता–ने बच्चों को 'अटेंडेंस किंग/क्वीन', 'परफेक्ट आउटफिट', 'स्माइल डिस्ट्रीब्यूटर' और 'परफेक्ट बिहेवियर' जैसे विशेष पुरस्कारों से भी सम्मानित किया। इनमें मुस्कान, अंकुश, जयदीप, सीता, कविता, सोनम, गोलू, कृष्ण, श्वेता, नीरज, प्रिया और बबीता समेत कई बच्चों को स्माइली गिफ्ट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में दिनेश गुप्ता, अजय गुप्ता, सोमेश्वर जायसवाल, राबड़ी देवी, रेखा देवी, लालमति देवी, मीरा देवी, नरेश चौहान, दिवाकर, हीरालाल, सुखई चौहान, नंदू चौहान, ज्ञानती देवी एवं हरिलाल कुशवाहा सहित सैकड़ों अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाध्यापक गिरजेश मिश्रा ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षकों, अभिभावकों एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अन्तिम संस्कार के दौरान डूबे व्यक्ति की मिली लाश

सिरकोनी, जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के कल्याणपुर गांव के पास गोमती नदी में मंगलवार को मुरारपुर गांव के श्याम बहादुर चौहान की लाश मिली। वह सोमवार को जफराबाद के नाव घाट के पास अंतिम संस्कार बाद गोमती नदी में नहाते समय डूब गया था। घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल मय फोर्स मौके पर पहुंच गये। ज्ञात हो उक्त गांव की एक वृद्धा के अंतिम संस्कार में शामिल होने आये श्याम बहादुर चौहान गोमती नदी में नहाने गये जो पानी के गहरे स्थान पर जाकर डूब गये थे। पुलिस सहित स्थानीय गोताखोरों ने उनकी बहुत खोजबीन की परन्तु कहीं पता नहीं चल पाया। उनके पुत्र आदित्य सहित अन्य साथी लगातर खोजबीन में लगे रहे। आखिरकार मंगलवार की सुबह उक्त गांव के पास श्याम बहादुर की लाश मिल गयी। इस बाबत पूछे जाने पर थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

बाबा रणजीत शाह सरस्वती शिशु मन्दिर में परीक्षाफल वितरित

शाहगंज, जौनपुर। स्थानीय नगर की सीमा से सटे शिव धाम बेलवाई में स्थित बाबा रणजीत शाह सरस्वती शिशु मंदिर में परीक्षाफल वितरण समारोह हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना तथा उनके व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता एवं मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुये दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात प्रधानाचार्य संतराम यादव ने विभिन्न कक्षाओं में धनंजय दूबे, अम्बर मोदनवाल, आस्था प्रजापति, शिवम मोदनवाल प्रथम, चंचल गौड़, दीक्षा गौड़, प्रिंस अग्रहरि, हर्ष, देवांश प्रजापति द्वितीय और अरविन्द, दिव्यांशी, महेश, आकांक्षा दूबे, आकांक्षा राजभर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा सम्मानित कराया। वहीं दर्जनों विद्यार्थियों को अंक पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया जिससे बच्चों में विशेष उत्साह एवं प्रसन्नता देखने को मिली। विद्यालय के प्रबंधक दिलीप मोदनवाल ने कहा कि उन्हें विद्यालय के साथ घर पर भी नियमित अध्ययन करना चाहिए। इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों का मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है। मुख्य अतिथि निर्भय प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने तथा पुस्तकों एवं होमवर्क पर अधिक ध्यान देने की प्रेरणा दिया। इस अवसर पर विद्यालय के आचार्य आलोक जी, जितेन्द्र जी, अनिल आचार्या, कोमल जी, किरण जी सहित तमाम अभिभावकगण उपस्थित रहे।

बौद्ध कॉन्क्लेव- सराहनीय पहल के बीच स्थानीय कलाकारों की उपेक्षा पर उठे सवाल

कुशीनगर। जनपद में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के नेतृत्व में आयोजित हो रहा बौद्ध कॉन्क्लेव कार्यक्रम जिले की सांस्कृतिक पहचान को नई दिशा देने वाली सराहनीय पहल माना जा रहा है। यह आयोजन न केवल जनपद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का माध्यम बन रहा है, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का भी महत्वपूर्ण प्रयास है। हालांकि, कार्यक्रम की तैयारियों के बीच जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। हाल ही में एक पत्रकार के सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से यह जानकारी सामने आई कि कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक साहित्यकारों और कलाकारों को मौके पर पहुंचकर पंजीकरण कराना होगा। इस व्यवस्था को लेकर स्थानीय कलाकारों और साहित्यकारों में असंतोष देखा जा रहा है, जिसे अव्यवस्थित और उपेक्षापूर्ण माना जा रहा है। बताया गया कि जनपद के कई साहित्यकारों और सांस्कृतिक संगठनों की ओर से पूर्व में ही पर्यटन विभाग और जिला सूचना कार्यालय से संपर्क कर सहयोग की इच्छा जताई गई थी। साथ ही यह भी अवगत कराया गया था कि रेडियो प्रज्ञा पडरौना, विश्व भोजपुरी सम्मेलन तथा विमर्श साहित्यिक सामाजिक सेवा संस्था जैसे संगठनों से बड़ी संख्या में कलाकार और साहित्यकार जुड़े हुए हैं, जिन्हें इस तरह के आयोजनों से स्वाभाविक अपेक्षाएं रहती हैं। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से संतोषजनक पहल न किए जाने से स्थानीय सांस्कृतिक कर्मियों में निराशा व्याप्त है। इसे लेकर यह सवाल उठ रहा है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन अपेक्षित गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कर पा रहे हैं। जनपद के साहित्यकारों और कलाकारों ने इस मामले में नाराजगी जताते हुए कहा है कि ऐसे महत्वपूर्ण आयोजनों में स्थानीय प्रतिभाओं को उचित मंच और सम्मान मिलना चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपेक्षा की है कि भविष्य में इस प्रकार की व्यवस्थागत कमियों को दूर करते हुए जनपद के सांस्कृतिक समुदाय को प्राथमिकता दी जाए।

आईपीएल 2026 में पसरा मातम, मुंबई के होटल में बीसीसीआई इंजीनियर का शव मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच एक बुरी खबर सामने आई है, जिससे क्रिकेट जगत में हड़कंप मच गया है। आईपीएल मैचों के लिए बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्ट इंजीनियर के रूप में काम कर रहे एक ब्रिटिश नागरिक की मौत हो गई है। मृतक की पहचान इयान विलियम्स लैंगफोर्ड के तौर पर हुई है, जिन्हें मुंबई के ट्राइडेंट होटल में उनके कमरे में मृत पाया गया। जानकारी के अनुसार, 29 मार्च को मुंबई इंडियंस और केकेआर के बीच मैच खत्म होने के बाद इयान अपने कमरे (नंबर 2715) में वापस आए थे और 30 मार्च को उन्हें मृत पाया गया। दरअसल, इयान विलियम्स लैंगफोर्ड 24 मार्च से आईपीएल कवर करने के लिए मुंबई के होटल में रुके हुए थे। 29 मार्च को एमआई बनाम केकेआर मैच खत्म होने के बाद वो अपने कमरे में लौट आए। वो मुंबई के होटल के कमरा नंबर 2715 में ठहरे थे। 30 मार्च को जब होटल के रिसेप्शनिस्ट ने उनके कमरे पर फोन किया तो उन्हें कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद होटल के स्टाफ को उनके कमरे में चेक करने के लिए भेजा गया। स्टाफ ने इयान के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो उसने मास्टर चाबी से कमरे का दरवाजा खोला और फिर जो दिखा उसके बाद उनकी आंखें फटी की फटी रह गई। इयान लैंगफोर्ड का शव फर्श पर पड़ा था। होटल के डॉक्टर ने इयान की आकर जांच की, जिसने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद उनकी मौत को लेकर मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करा दी गई। मामले की पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। अभी ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि उनकी मौत हुई कैसे और उनके साथ कमरे में हुआ क्या था?

चेन्नई के खिलाफ मैच में क्यों रोने लगे रवींद्र जडेजा? सामने आया वीडियो; शिवम दुबे को इस तरह चिढ़ाया

गुवाहाटी । चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच सोमवार को खेला गया मैच एकतरफा रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके की टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर सिमट गई। जवाब में राजस्थान ने 12.1 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। हालांकि, यह मुकाबला कुछ खिलाड़ियों के लिए बेहद भावुक पल लेकर आया। रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन उन खिलाड़ियों में शामिल रहे। मैच के दौरान एक समय ऐसा भी आया, जब जडेजा रोते हुए दिखाई दिए और उनकी सीएसके के साथ सारी यादें...सारी भावनाएं उमड़ पड़ीं। जड्डू आंखों में आंसू दिख रहे थे और फिर उन्होंने आंखें फेर लीं। यह न सिर्फ राजस्थान के फैंस के लिए, बल्कि सीएसके के फैंस के लिए भी भावुक कर देने वाला पल था। दरअसल, मैच के दौरान चेन्नई की युवा टीम लड़खड़ा गई। आईपीएल में ऐसा पहली बार हुआ था, जब टीम में न तो महेंद्र सिंह धोनी और न ही सुरेश रैना थे। उम्रदराज खिलाड़ियों की टीम कही जाने वाली सीएसके टीम की इस सीजन औसत उम्र 27 साल है। राजस्थान ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया। आरआर के तेज गेंदबाजों ने कवर्स से ढकी

रही पिच पर मौजूद नमी का पूरी तरह फायदा उठाया और 38 रन पर चार विकेट गिरा दिए। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने सरफराज खान और शिवम दुबे को पवेलियन भेजा। सरफराज को आउट करने के बाद उन्होंने साधारण जश्न मनाया, लेकिन दुबे ने उनकी गेंद पर छक्का लगाया था। छक्का लगाने के बाद दुबे ने एक और छक्के की कोशिश की, लेकिन लॉन्ग ऑफ पर पकड़े गए। इसके बाद जडेजा ने पिस्टल से शूट करने के अंदाज में जश्न मनाया। इन दो विकेट से एक वक्त नौवें ओवर में सीएसके का स्कोर छह विकेट पर 60 रन था और टीम जूझ रही थी। जडेजा ने सीएसके में रहते हुए इस तरह की मुश्किल परिस्थितियों से चेन्नई को कई बार निकाला, लेकिन इस बार वह विपक्षी टीम में थे। सीएसके को मुश्किल परिस्थिति में देखकर फैंस खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने के लिए सीएसके-सीएसके चिल्लाने लगे। यह सीएसके की पारी के नौवें ओवर की घटना है। तब जड्डू बाउंड्री लाइन पर फील्डिंग कर रहे थे। हालांकि, जब फैंस सीएसके-सीएसके चिल्लाने लगे तो जड्डू अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और रोने लगे। एक सीजन पहले तक यह शोर उन्हें भी हौसला देता था। ऐसा लगा मानो की जड्डू की पुरानी यादें ताजा हो गईं। जड्डू 13 साल तक सीएसके की टीम का हिस्सा रहे और सीएसके सीएसके चैंट पर भावुक होना लाजमी था। हालांकि, चेन्नई की टीम के भविष्य को देखते हुए उन्होंने राजस्थान में जाने का फैसला लिया। फैंस भी जडेजा को रोता देख भावुक हो गए और सोशल मीडिया पर उनका खूब समर्थन किया है। सीएसके के एक फैन ने लिखा- आप भले ही राजस्थान में चले गए हैं, लेकिन आप हमेशा हमारे अपनी रहेंगे। आप हमेशा हमारे थालापति रहेंगे। जड्डू को राजस्थान से ट्रेड किया गया था। जडेजा और सैम करन के बदले चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन को अपनी टीम में शामिल किया था। हालांकि, सैमसन सोमवार को अपनी पुरानी टीम राजस्थान के खिलाफ छह रन बनाकर आउट हो गए। चेन्नई की टीम 127 के स्कोर तक जेमी ओवरटन की वजह से पहुंच सकी। ओवरटन ने 43 रन बनाए। जवाब में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी से राजस्थान ने जीत हासिल की। सूर्यवंशी ने 17 गेंद में चार चौके और पांच छक्के की मदद से 52 रन बनाए। वहीं, यशस्वी ने 36 गेंद में नाबाद 38 रन बनाए। जुरेल 18 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान रियान पराग 14 रन बनाकर नाबाद रहे। अब सीएसके का अगला मुकाबला तीन अप्रैल को चेपॉक में पंजाब से है, जबकि राजस्थान की टीम चार अप्रैल को अहमदाबाद में गुजरात से भिड़ेगी।

वैभव सूर्यवंशी ने जन्मदिन पर क्यों नहीं काटा केक? वजह जान हंस पड़ेंगे; विपक्षी गेंदबाजों को लेकर कही यह बात

गुवाहाटी ।

आईपीएल 2026 में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में वैभव सूर्यवंशी का तूफान देखने को मिला। इस 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया है। हालांकि, उन्होंने सिर्फ अपने खेल से नहीं, बल्कि मैच के बाद अपने मजेदार बयान से भी सुर्खियां बटोरी हैं।

मैच के बाद जब वैभव सूर्यवंशी से उनके जन्मदिन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने हंसते हुए एक दिलचस्प खुलासा किया। उन्होंने कहा, मैंने जन्मदिन पर कुछ खास नहीं किया। केक काटने का प्लान था, लेकिन मैं जल्दी सो गया ताकि केक चेहरे पर लगाने से बच सकूं। उनका यह जवाब सुनकर कमेंटेटर हंस पड़े। दरअसल, क्रिकेट टीमों में अक्सर जन्मदिन पर खिलाड़ी केक काटने के बाद एक-दूसरे के चेहरे पर केक लगा देते हैं, जिससे बचने के लिए वैभव ने यह तरीका अपनाया। हालांकि वैभव ने अपने जन्मदिन पर कोई जश्न नहीं मनाया, लेकिन तीन दिन

बाद मैदान पर उन्होंने शानदार अंदाज में अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक जड़कर सीएसके के खिलाफ टीम को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई। इस मैच में पहले गेंदबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स ने ष्टस्च को 127 रन पर समेट दिया। इसके बाद टीम ने सिर्फ 12.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। अपने बल्लेबाजी प्लान को लेकर वैभव ने बताया, प्लान था कि पावरप्ले में अच्छी तरह से खेलें। शुरुआत में विकेट थोड़ा मुश्किल था, लेकिन जैसे-जैसे गेंद पुरानी हुई, बैट पर अच्छी तरह आने लगी। मैं डिफेंस के बारे में भी सोचता हूं, लेकिन छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले बहुत अहम होता है। अगर उस समय गेंदबाज हावी हो जाएं तो मैच पलट सकता है, लेकिन हमारा पावरप्ले शानदार रहा। वैभव सूर्यवंशी ने बताया कि टीम मैनेजमेंट और सीनियर खिलाड़ियों ने उन्हें अपने प्राकृतिक खेल पर टिके रहने की पूरी आजादी दी है। उन्होंने कहा, कोच ने खास तौर पर यह नहीं कहा कि गेंदबाज मुझे अटैक करेंगे। उनको छोड़कर बाकी पूरी दुनिया ये बोल रही थी। हालांकि, कोच ने मुझे भरोसा दिया और कहा कि अपने नेचुरल गेम के साथ खेलो और स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी करो। टीम के हेड कोच कुमार संगकारा और अन्य सपोर्ट स्टाफ का यह भरोसा युवा खिलाड़ी के प्रदर्शन में साफ दिखाई दिया। अपने ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के साथ तालमेल पर वैभव ने कहा, मेरा ओपनिंग पार्टनर हर गेंद के बाद मुझसे बात करता है। वह बताता है कि कब सिंगल लेना है, कब स्ट्राइक रोटेट करनी है और मुझे शॉट खेलने के लिए प्रोत्साहित करता है। टीम के कप्तान रियान पराग ने वैभव की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वैभव से कहा है कि तुम पूरे 14 मैच खेलो और बाहर क्या हो रहा है, उसकी चिंता मत करो। हमने नेट्स में उसका खेल देखा है और हम सभी उससे काफी प्रभावित हैं। वहीं, सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने मैच के बाद कहा, शुरुआत में परिस्थितियां काफी मुश्किल थीं, खासकर तेज गेंदबाजों के खिलाफ। स्पिनरों को भी मदद मिल रही थी। शायद हम और गहराई तक बल्लेबाजी कर सकते थे, लेकिन आजकल सही स्कोर का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है।

दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच कांटे की टक्कर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। आईपीएल में अब तक इन दोनों टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 4 मुकाबले दिल्ली ने जीते हैं, जबकि 3 मुकाबलों में लखनऊ को जीत मिली हुई है। आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार दिल्ली कैपिटल्स विजयी रही थी। दिल्ली अपने इस दबदबे को इस सीजन भी कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दिल्ली की टीम इस सीजन काफी संतुलित नजर आ रही है। टॉप ऑर्डर में टीम के पास केएल राहुल का अनुभव मौजूद है। राहुल का प्रदर्शन पिछले सीजन कमाल का रहा था और उन्होंने 13 मैचों में 149 के स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाए थे। राहुल के जोड़ीदार के तौर पर पृथ्वी शॉ को मौका मिल सकता है। अभिषेक पोरेल

ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। पोरेल ने 13 मैचों में 146 के स्ट्राइक रेट से 301 रन बनाए थे। करुण नायर, ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर से भी इस सीजन टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मिलर के आने से टीम का मध्यक्रम और यादा संतुलित दिख रहा है। समीर रिजवी और आशुतोष शर्मा फिनिशर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स का टॉप ऑर्डर काफी दमदार दिख रहा है। मिचेल मार्श और एडेन मार्करम से इस सीजन भी टीम को बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, निकोलस पूरन अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। हालांकि, कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म लखनऊ टीम के लिहाज से काफी अहम होगी। हालांकि, लखनऊ का मिडिल ऑर्डर कमजोर दिख रहा है।

शाहीन अफरीदी पर 10 लाख पीकेआर का जुर्माना; सुरक्षा नियमों को तोड़ने का है आरोप

लाहौर ।

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामले में शाहीन शाह अफरीदी पर उनकी ही टीम लाहौर कलंदर्स ने 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के आरोपों के बाद की गई है। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब टीम होटल में कुछ अनधिकृत लोगों के प्रवेश को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने आपत्ति जताई। रिपोर्ट के मुताबिक, ये चार लोग सिकंदर रजा के जानने वाले थे, जिन्हें खिलाड़ियों के कमरे में आने की अनुमति नहीं दी गई थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सुरक्षा अधिकारियों और पीएसएल के सीईओ सलमान नजीर ने स्पष्ट रूप से इस अनुरोध को खारिज कर दिया था। इसके बावजूद आरोप है कि शाहीन अफरीदी और सिकंदर रजा ने उन लोगों को कमरे में एंट्री दिलाई। पंजाब पुलिस के मुताबिक, इन मेहमानों ने खिलाड़ियों के कमरे में लगभग तीन घंटे बिताए, जबकि सुरक्षा नियमों के तहत किसी भी बाहरी व्यक्ति का इस तरह प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। हालांकि, सिकंदर रजा का दावा था कि मेहमान केवल 40 मिनट के लिए रुके थे। पुलिस द्वारा जारी पत्र में कहा गया कि दोनों खिलाड़ियों ने सुरक्षा अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी की, जो खिलाड़ियों और टीम की सुरक्षा के लिए बनाए गए थे। इस पूरे मामले पर लाहौर कलंदर्स ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, यह मामला किसी जानबूझकर नियम तोड़ने का नहीं, बल्कि एक गलतफहमी का परिणाम है। हम सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरा सम्मान करते हैं। हम एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) का सख्ती से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए बेहतर संवाद की आवश्यकता है।

इस घटना के बाद टीम प्रबंधन ने अनुशासन बनाए रखने के लिए शाहीन अफरीदी पर 10 लाख पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना लगाया। हालांकि, सिकंदर रजा के खिलाफ कोई आधिकारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की गई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिकंदर रजा ने पूरी जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुए कहा, इस मामले की जिम्मेदारी मेरी है। शाहीन अफरीदी को इसके लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए।

बताया जा रहा है कि पहले टीम के लायजन अधिकारी ने मेहमानों को अनुमति दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद टीम के मालिक समीइन राणा ने भी पीएसएल प्रबंधन से अपील की, जिसे फिर से ठुकरा दिया गया। इसके बावजूद मेहमानों को कमरे में लाया गया, जो पूरे विवाद का कारण बना। लाहौर कलंदर्स का मानना है कि इस मामले को जरूरत से यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। टीम ने कहा कि यह एक छोटी सी गलतफहमी थी, जिसे सार्वजनिक रूप से बड़ा विवाद बना दिया गया। हालांकि, सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की लापरवाही खिलाड़ियों और लीग दोनों के लिए खतरा पैदा कर सकती है, इसलिए ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है।

नए निवेशकों में तेज गिरावट; फरवरी में सिर्फ 13.3 लाख ने ली एंट्री, 11 महीनों में दिखा सबसे निचला स्तर

नई दिल्ली । भारत के शेयर बाजार में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार में तेज गिरावट दर्ज की गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ताजा आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2026 में केवल 13.3 लाख नए निवेशक जुड़े, जो महीने-दर-महीने आधार पर 24.5फीसदी की गिरावट है। यह वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक की सबसे बड़ी गिरावट भी है और पिछले करीब 11 महीनों का सबसे निचला स्तर है। फरवरी 2026 तक एनएसई का कुल रजिस्टर्ड निवेशक आधार बढ़कर 12.8 करोड़ हो गया है। हालांकि, नए निवेशकों की संख्या में कमी के बावजूद बाजार में दीर्घकालिक भागीदारी मजबूत बनी हुई है। 12 फरवरी 2026 को यूनिक क्लाइंट कोड्स की संख्या 25 करोड़ के पार पहुंच गई, जो इक्विटी बाजार में लगातार बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। साल-दर-साल आधार पर निवेशकों की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों में 14.4 फीसदी पर स्थिर रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि अल्पकालिक सुस्ती के बावजूद लंबी अवधि का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के बीच हर महीने औसतन 13.6 लाख नए निवेशक जुड़े, जो पिछले साल इसी अवधि के 18.2 लाख के मुकाबले कम है। इससे स्पष्ट है कि नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार धीरे-धीरे ठंडी पड़ रही है। क्षेत्रीय स्तर पर महाराष्ट्र दो करोड़ से अधिक निवेशकों वाला पहला राज्य बन गया है और कुल निवेशक आधार में 15.7त्न हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर बना हुआ है। हालांकि, वित्त वर्ष 2021 में इसका हिस्सा 19.5फीसदी था, जो अब घटा है। इससे संकेत मिलता है कि अन्य राज्यों में निवेशकों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल और राजस्थान समेत शीर्ष पांच राज्यों की हिस्सेदारी कुल निवेशक आधार में 48 फीसदी है। वहीं, शीर्ष 10 राज्यों की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2015 के लगभग 78 फीसदी से घटकर FY26 में 73.1फीसदी रह गई है, जो निवेशकों के भौगोलिक विस्तार को दर्शाता है।

पीएम मोदी ने केन्स सेमीकॉन प्लांट का किया उद्घाटन, मेड इन इंडिया-मेक फॉर द वर्ल्ड का दिया मंत्र

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के साणंद में केन्स सेमीकॉन प्लांट का उद्घाटन किया। यह सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह देश का दूसरा ऐसा प्लांट है। उद्घाटन करने के बाद पीएम मोदी ने प्लांट का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने ऑपरेटर्स और इंजीनियरों से बातचीत की। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पिछले महीने के अंतिम दिन भी मैं साणंद में था और इस महीने के अंतिम दिन भी मैं साणंद में हूं। यह केवल संयोग नहीं है बल्कि यह संकेत देता है कि भारत कितनी तेज गति से सेमिकंडक्टर क्षेत्र में आगे बढ़े रहा है। पीएम ने कहा कि साणंद और सिलिकॉन वैली के बीच एक नया सेतु स्थापित हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां निर्मित उत्पादों का बड़ा हिस्सा निर्यात के लिए पहले ही

बुक हो चुका है, जिससे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड का संदेश वैश्विक स्तर पर गूंजेगा। पीएम मोदी ने कहा कि केन्स जैसी भारतीय कंपनी अब वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का मजबूत हिस्सा बन चुकी है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में कई भारतीय कंपनियां दुनिया को एक भरोसेमंद और मजबूत सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस प्लांट में उत्पादन शुरू होने के साथ ही भारत ने खुद को एक विश्वसनीय सेमीकंडक्टर सप्लायर के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज हर इंजीनियर का सपना पूरा कर दिया है। उन्होंने बताया कि सिर्फ 14 महीनों में प्लांट का निर्माण पूरा कर उत्पादन शुरू हो गया, जो प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मुख्यमंत्री के लगातार प्रयासों की वजह से संभव हो पाया। वैष्णव ने कहा कि पहला प्लांट का 28 फरवरी को उद्घाटन हुआ , 31 मार्च को दूसरे प्लांट और तीसरे प्लांट का उद्घाटन जुलाई में होगा। इस साल के अंत तक चार प्लांट शुरू करने का लक्ष्य है। उन्होंने एक कविता कहकर अपना संबोधन खत्म किया, खोल दे पंख मेरे कहता है परिंदा अभी और उड़ान बाकी है, जमीन नहीं मंजील मेरी अभी पूरा आसमान बाकी है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक मजबूत औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार किया जा रहा है। केंद्र सरकार के सहयोग से लॉजिस्टिक इंफ्रास्ट्रक्चर का भी तेजी से विकास हो रहा है, जिससे उद्योगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

कैपिटल मार्केट नियमों पर रिजर्व बैंक ने दी अतिरिक्त मोहलत, 1 जुलाई से प्रभावी होंगे बदलाव

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक ने पूंजी बाजार एक्सपोजर से जुड़े संशोधित फ्रेमवर्क के लागू होने की समयसीमा तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। अब ये नए नियम 1 अप्रैल 2026 के बजाय 1 जुलाई 2026 से प्रभावी होंगे। केंद्रीय बैंक का यह फैसला बैंकों, कैपिटल मार्केट इंटरमीडियरीज और उद्योग संगठनों से मिले फीडबैक के बाद लिया गया है। इन संस्थाओं ने नए नियमों को लागू करने में परिचालन और व्याख्यात्मक चुनौतियों की ओर ध्यान दिलाया था। आरबीआई ने इस फ्रेमवर्क के लिए 13 फरवरी 2026 को संशोधन निर्देश जारी किए थे, जो सार्वजनिक परामर्श के बाद तैयार किए गए थे। अब आरबीआई ने अधिग्रहण वित्त , वित्तीय परिसंपत्तियों के खिलाफ ऋण और सीएमआई को दिए जाने वाले क्रेडिट एक्सपोजर जैसे क्षेत्रों में स्पष्टता भी प्रदान की है। संशोधित नियमों के तहत अधिग्रहण वित्त के दायरे को बढ़ाकर अब इसमें विलय और समामेलन को भी शामिल किया गया है। हालांकि, इस तरह की फंडिंग

केवल गैर-वित्तीय कंपनियों में नियंत्रण हासिल करने के लिए ही दी जाएगी, जिससे स्पष्ट है कि आरबीआई का फोकस केवल नियंत्रण आधारित सौदों पर है, न कि छोटे निवेशों पर। अगर लक्ष्य कंपनी एक होल्डिंग कंपनी है, तो बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि संभावित तालमेल सिर्फ मूल कंपनी ही नहीं बल्कि उसकी सभी सहायक कंपनियों में भी मौजूद हो। नए फ्रेमवर्क में कंपनियों को अधिग्रहण वित्त को भारतीय या विदेशी सहायक कंपनियों के माध्यम से लेने की अनुमति भी दी गई है। वहीं, रीफाइनेंसिंग नियमों को सख्त किया गया है।

बैंक अब केवल उसी स्थिति में अधिग्रहण ऋण का पुनर्वित्त कर सकेंगे जब सौदा पूरा हो जाए और नियंत्रण स्थापित हो जाए। साथ ही, यह राशि केवल मूल ऋण चुकाने के लिए ही इस्तेमाल की जा सकेगी। इसके अलावा, अगर अधिग्रहण वित्त किसी सहायक कंपनी या विशेष प्रयोजन वाहन को दिया जाता है, तो अधिग्रहण करने वाली कंपनी की कॉरपोरेट गारंटी अनिवार्य होगी, जिससे क्रेडिट सुरक्षा मजबूत होगी। बैंकों के लिए यह स्थगन सिस्टम और प्रक्रियाओं को नए नियमों के अनुरूप ढालने का अतिरिक्त समय देगा, जबकि स्पष्ट परिभाषाओं से कानूनी अस्पष्टता और जोखिम भी कम होने की उम्मीद है। वहीं, अधिग्रहण करने वाली कंपनियों के लिए यह फ्रेमवर्क अवसर और सीमाएं दोनों लेकर आया है, जहां एक ओर विलय और सहायक कंपनियों के जरिए फंडिंग के विकल्प बढ़े हैं, वहीं दूसरी ओर केवल नियंत्रण आधारित अधिग्रहण की अनुमति और सख्त रीफाइनेंसिंग शर्तें लागू की गई हैं। कैपिटल मार्केट इंटरमीडियरीज को भी राहत देते हुए आरबीआई ने 100 फीसदी नकद या नकद-समान संपार्श्विक या कोलैटरल के खिलाफ प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग के लिए बैंक फंडिंग की अनुमति दी है। साथ ही, मार्केट मेकर्स को उन्हीं सिक्योरिटीज़ के खिलाफ फंडिंग लेने की पाबंदी भी हटा दी गई है, जिनका वे बाजार निर्माण में उपयोग करते हैं।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सोना-चांदी में उछाल, कीमतों में तीन फीसदी से ज्यादा की तेजी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई है। इस तेजी को पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की उम्मीदों का समर्थन मिला। इसके बावजूद, सोना इस महीने 17 साल की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज करने की राह पर है। इसकी बड़ी वजह बढ़ती ऊर्जा कीमतें हैं, जिन्होंने महंगाई को बढ़ाया है और इस साल अमेरिकी ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को कमजोर कर दिया है। आज सोना और चांदी दोनों ही हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। दोनों धातुओं में 3फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। कॉमेक्स पर सोना करीब 1.25फीसदी बढ़कर 4,618 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि पिछले सत्र में इसमें 0.4फीसदी की बढ़त देखी गई थी। वहीं, एशियाई कारोबार के दौरान कॉमेक्स चांदी 3.7फीसदी उछलकर 73.2 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। कीमतों में इस उछाल के पीछे कई अहम वजहें हैं। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने महंगाई को लेकर चिंता बढ़ा दी है, जिससे बाजार में यह धारणा मजबूत हुई है कि फेडरल रिजर्व भविष्य में दरों में कटौती के बजाय उन्हें ऊंचा रख सकता है या बढ़ा भी सकता है। हालांकि, फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि मौजूदा स्थिति में केंद्रीय बैंक की नीति इंतजार और निगरानी की है और दीर्घकालिक महंगाई की उम्मीदें अब भी नियंत्रण में हैं। इसके अलावा, बाजार में डिप बाइंग का ट्रेंड भी देखने को मिल रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट संघर्ष शुरू होने के बाद आई गिरावट का फायदा उठाते हुए निवेशक सोने में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे कीमतों को सपोर्ट मिल रहा है।

महाविनाश की आहट- तेल से अनाज तक सब होगा महंगा, आईएमएफने दी चेतावनी

बिजनेस डेस्क । मिडिल ईस्ट में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच गहराते युद्ध ने अब सिर्फ सरहदों को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की जेब और रसोई को भी निशाने पर ले लिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ताजा रिपोर्ट ने एक ऐसी डरावनी तस्वीर पेश की है, जिसे सुनकर किसी के भी रोंगटे खड़े हो सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर यह संघर्ष इसी तरह चलता रहा, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था महंगाई के एक ऐसे 'भयंकर चक्रवात' की चपेट में आ जाएगी, जो विकास की रफ्तार को पूरी तरह जाम कर देगा। तेल से अनाज तक सब होगा महंगा हो जाएगा जिसका सीधा असर आम आदमी की जेबर पर पड़ेगा। दुनिया की रगों में दौड़ने वाले तेल और गैस का एक बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता

है। आंकड़ों की मानें तो दुनिया का लगभग 30फीसदी कच्चा तेल और 20फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस इसी रास्ते से सप्लाई होती है। युद्ध के कारण अगर यह रास्ता बंद या प्रभावित होता है, तो भारत समेत एशिया और यूरोप के उन तमाम देशों की कमर टूट जाएगी जो ऊर्जा के लिए आयात पर निर्भर हैं। ईंधन की आसमान छूती कीमतें न केवल माल ढुलाई महंगी करेंगी, बल्कि आम आदमी की खरीदारी की ताकत को भी खत्म कर देंगी। आईएमएफ ने आगाह किया है कि इस युद्ध की सबसे कड़वी मार अफ्रीका और एशिया के गरीब देशों को झेलनी पड़ेगी। इन देशों के लिए संकट दोहरा है- एक तरफ तेल महंगा हो रहा है, तो दूसरी तरफ खेती के लिए जरूरी उर्वरक और खाद की कीमतें भी बेकाबू हो रही हैं। इससे अनाज उत्पादन घटेगा और भुखमरी जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन हालातों में इन देशों का वजूद अब सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मदद के भरोसे ही टिक पाएगा। युद्ध की आग ने समंदर के रास्तों को असुरक्षित बना दिया है। जहाजों को अब लंबे रास्ते अपनाने पड़ रहे हैं, जिससे ट्रांसपोर्टेशन और इंश्योरेंस का खर्च कई गुना बढ़ गया है। इसका सीधा असर हर छोटी-बड़ी चीज की कीमत पर पड़ रहा है। इतना ही नहीं, खाड़ी देशों से मिलने वाली हीलियम गैस की सप्लाई रुकने से दुनिया भर में सेमीकंडक्टर और मेडिकल उपकरणों का निर्माण ठप हो सकता है। साथ ही, औद्योगिक इस्तेमाल में आने वाले सल्फर की कमी से भारी उद्योगों को भी बड़ा झटका लगने वाला है।

यूरोप में गैस का हाहाकार और बाजार में मंदी के संकेत

यूरोप एक बार फिर 2021-22 जैसे भयानक गैस संकट की दहलीज पर खड़ा है। ब्रिटेन और इटली जैसे देश इस बार सबसे ज्यादा मुश्किल में दिख रहे हैं, हालांकि फ्रांस और स्पेन अपनी परमाणु ऊर्जा की वजह से खुद को थोड़ा बचा सकते हैं। वहीं, शेयर बाजारों का हाल भी बुरा है; बॉन्ड यील्ड बढ़ने से कर्ज लेना महंगा हो गया है। निवेश की कमी और बढ़ती बेरोजगारी के बीच दुनिया एक बड़े वित्तीय संकट की ओर बढ़ती दिख रही है।